SEPTEMBER 2025

...KHABAR ZINDAGI KI

STORY LINE INDIA

SUNITA SARAF

Director and founder
Female fitness mantra

DEEPA NARAYAN JHA

Bollywood Singer

SONALI BHATTACHARJEE

Advocate & Social worker

DR.MEGHA RANI

Author &Mrs.jharkhand
Diva 2025

TINA ROY

Proprietor of Soudamini
Boutique

NILAM VERMA

Mrs. Jharkhand 2025

DAISY SINHA

Artist

MRS DOMA SHERPA

jharkhand arms police ladies battalion
& Mrs. Jharkhand 1st Runner up

PRITI RAGINI

Professional Anchor &
voiceover Artist

RERA | SBI
APPROVED

THE HABITAT

Live- Love- Laugh

Premium Apartment
1-2-3-4 BHK

Exclusive Club House
Gym, Community Hall, 5 Guest Room

65% Open Area
Badminton Court,
Ampitheater, Temple, Gazebo

RERA -RMC Approved
Shivaji Nagar, Near DAV Nandraj,
Bariyatu, Ranchi

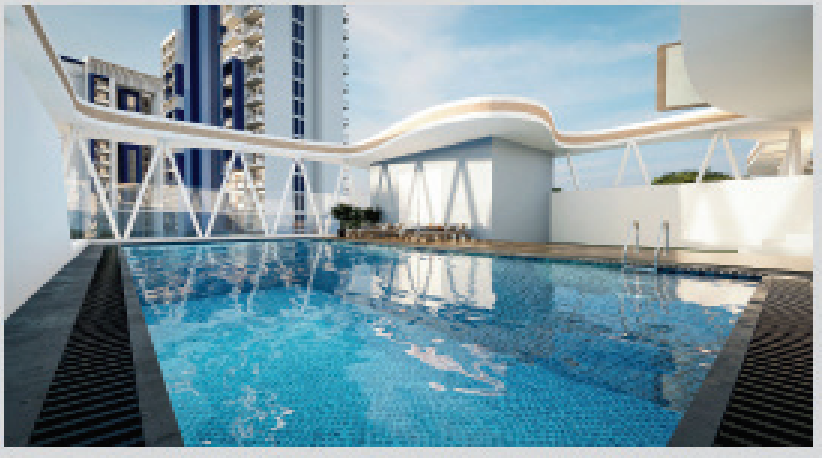

Get Extra
Launching Discount

VISIT US | **9955970699**

More Information
8448440699, www.ugnabuildwell.com
UGNA Buildwell Pvt. Ltd., 105 Mahal Residency, Bariyatu, Above Apollo Clinic, Ranchi

STORY LINE INDIA
...KHABAR ZINDAGI KI

फिल्मों के लिए 3,000 से अधिक गीतों को अपनी आवाज दे चूकिं है

दीपा नारायण झा भारतीय पार्श्व गायिका हैं और प्रसिद्ध गायक उदित नारायण की पत्नी हैं, जिनके साथ उनका विवाह 1985 में हुआ था। वह आदित्य नारायण की माँ हैं, जो एक पार्श्व गायक और प्रस्तुतकर्ता हैं। दीपा ने बॉलीवुड में कई फिल्मों के लिए 3,000 से अधिक गीतों को अपनी आवाज दी है।

प्रारंभिक जीवन और करियर : दीपा नारायण झा (मूल रूप से दीपा गहतराज) दार्जिलिंग में पैदा हुई थीं। उन्होंने अपनी शिक्षा कलिम्पोंग के सेंट फिलोमिना गर्ल्स स्कूल से प्राप्त की। एक गायिका के रूप में, उन्होंने 15 से अधिक भाषाओं में 3,000 से अधिक गीत गाए हैं।

एक्टिंग के साथ फैशन सब फील्ड के साथ साथ मैंने सोशल वर्क भी किया

मैं सुनीता सराफ .बचपन से ही सपना और चाहत थी की कुछ ऐसा करूँ जिससे समाज में औरतों के लिए कुछ कर सकूँ और अपनी एक पहचान बना सकूँ की लोग मुझे मेरे नाम से जाने . आसान नहीं होता ये सफ़र पर नामुमकिन भी कुछ नहीं ..क्रिएटिविटी के साथ सफ़र शुरू हुआ और एक्टिंग फैशन सब फील्ड के साथ साथ मैंने सोशल वर्क करना सुरु किया .. २०११ में मैंने देखा महिलायें अपने स्वास्थ्य के प्रति बहुत लापरवाही करती हैं और मैंने तय किया की मैं स्वास्थ्य के प्रति महिलाओं को अवेयर करूँगी और उनके स्वास्थ्य पे काम करूँगी. फीमेल फिटनेस मंत्रा संस्था की सुरवात की मैंने और १५ सालों में लाखों महिलाओं को अपने आप को फिट और हिट रखना सिखाया और एक रोज़गार का नया आयाम दिया उनको और आज सबको स्वास्थ्य के प्रति जागरूक देख कर अच्छा लगता है महिलाएँ आत्मनिर्भर बने ये बहुत ही जरूरी है .. घर में बैठ कर डिप्रेशन में जाना और मन की सारी इच्छा को दबाना ,इससे बाहर निकालकर उनको ज़िंदगी जीना सिखाया मैंने उनको ख़ुद से प्यार करना सिखाया.

फीमेल फिटनेस मंत्रा संस्था की सुरवात की मैंने और 15 सालों में लाखों महिलाओं को अपने आप को फिट और हिट रखना सिखाया

FLOURISHING FASHION DESTINATION SHE FOUNDED IN APRIL 2018

Tina Roy is a dynamic entrepreneur, dedicated mother, and active social contributor, who has successfully blended her personal and professional responsibilities with grace and determination. She is the proud owner of Soudamini Boutique, a flourishing fashion destination she founded in April 2018. The boutique specializes in an exquisite collection of sarees, ranging from Pure Silk, Tussar, Bengali Handloom, and Benarasi to other traditional varieties, while also showcasing a wide selection of handmade designer jewellery, hand-stitched suit pieces, blouse pieces, and bed sheets. Under her leadership, Soudamini Boutique has become a trusted name for customers seeking elegance, authenticity and craftsmanship.

Alongside her entrepreneurial journey, Tina Roy plays an important role in the business community.

She currently serves as the Treasurer of MSME Jharkhand, where she contributes her expertise and commitment towards empowering women in small and medium-scale enterprises in the state.

SENIOR FEVICRYL CERTIFIED PROFESSIONAL OF JHARKHAND

Daisy Sinha : Artist n social activist Founder of "prerna training centre" n Taksheel creations for Art lovers ,,former cabinet joint sec of lions dist 322A n founder of lions club of ranchi galaxy,, senior fevicryl certified professional of jharkhand,, National awardee from fevicryl (pidilite industries Ltd,makers of fevicol),a fashion artist n expert of Indian folk art (mithila painting,Sohrai painting),, lots of award winner jharkhand top artist of fevicryl,,guru samman,, nari sakti samman,,guru

lots of award winner jharkhand top artist of fevicryl,,guru samman,, nari sakti samman,,guru gaurav samman,,n lots of awards from lions.

झारखंड की उड़ान: अपनी राह बनाने का सफर

आसनसोल से मॉडलिंग की दुनिया तक, कैसे अपने सपनों को जी रही हैं नीलम वर्मा

मेरी कहानी आसनसोल के एक छोटे से घर से शुरू होती है, जहाँ मेरे बचपन की सबसे प्यारी यादें रंगीन कागजों, मिट्टी और कलाकृतियों से भरी हैं। बचपन से ही, आर्ट एंड क्राफ्ट मेरा जुनून था। मैं घंटों तक कुछ न कुछ बनाती रहती थी, और हर नई रचना मुझे एक अलग ही खुशी देती थी। मेरा मानना था कि यही मेरा भविष्य होगा।

फिर शादी हुई और मेरी ज़िंदगी ने एक नया मोड़ लिया। मैं झारखंड चली गई और घर-गृहस्थी की जिम्मेदारियों में उलझ गई। एक समय ऐसा भी आया जब लगा कि मेरा बचपन का जुनून कहीं पीछे छूट रहा है। पर मेरे अंदर की कलाकार कभी शांत नहीं हुई। मैंने घर की जिम्मेदारियों के साथ-साथ एक नौकरी भी शुरू की, लेकिन अपने पैशन को कभी नहीं छोड़ा। मुझे हमेशा लगता था कि कुछ बड़ा करना है, अपनी एक पहचान बनानी है।

और फिर एक दिन मैंने मॉडलिंग की दुनिया में कदम रखने का फैसला किया। यह मेरे लिए एक बिल्कुल नया क्षेत्र था, लेकिन मेरे अंदर का आत्मविश्वास और कुछ कर दिखाने की चाहत बहुत मजबूत थी। मैंने अपनी मेहनत और लगन से यह साबित कर दिया कि सपने देखने की कोई उम्र नहीं होती। मैंने झारखंड में होने वाले कई फैशन शोज में हिस्सा लिया और कई खिताब भी जीते। यह सफर आसान नहीं था। लोगों के सवाल, समाज का दबाव, और खुद पर संदेह के क्षण भी आए, पर मैंने हार नहीं मानी। मेरे पति और परिवार का साथ हमेशा मेरे साथ था, और उनकी प्रेरणा ने मुझे आगे बढ़ने में मदद की।

यह सफर आसान नहीं था। लोगों के सवाल, समाज का दबाव, और खुद पर संदेह के क्षण भी आए, पर मैंने हार नहीं मानी...

आज, मैं मॉडलिंग को ही अपना पेशा बना रही हूँ और पूरी लगन से काम कर रही हूँ। मेरा मानना है कि हर महिला के अंदर एक मजबूत इच्छाशक्ति होती है, बस उसे पहचानने और उस पर काम करने की जरूरत है। मैं उन सभी महिलाओं के लिए एक प्रेरणा बनना चाहती हूँ जो अपने सपनों को पूरा करने से डरती हैं। यह मेरी उड़ान की शुरुआत है, और मैं अपने पंखों को और भी ऊँचाई देने के लिए तैयार हूँ।

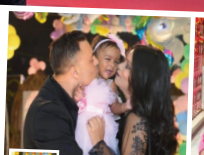

मैं उन सभी महिलाओं के लिए एक प्रेरणा बनना चाहती हूँ जो अपने सपनों को पूरा करने से डरती हैं। यह मेरी उड़ान की शुरुआत है...

माता दुर्गा के स्वागत में ,डांडिया प्रोग्राम का आयोजन बारे धूम धाम मना

स्टोरी लाइन इंडिया और आर्टिस्टिक एलायंस के द्वारा दो सो से अधिक लोगों के साथ कई गणमान्य अतिथि के बीच रांची के सीसीएल क्लब, गांधीनगर में, नवरात्रि के आगमन से पहले ही माता दुर्गा के स्वागत में ,डांडिया प्रोग्राम का आयोजन बारे धूम धाम से किया। जहां संयोजक साधना झा और सपना चटर्जी ने बताया कि चीफ गेस्ट के रूप में सोनाली भट्टाचार्य, वीवीआईपी गेस्ट के रूप में वसीम आलम व मेघा श्रीवास्तव,साथ में वीआईपी गेस्ट मै मुख्यरूप से बंदना उपाध्याय,सबीर हुसैन ,रिद्धिमा , अव्यंश, डेजी सिन्हा, नर्मता सोनी, मारिया ,ज्योति , दुर्गा ,सोनल, नूरसत , रीना गुप्ता, नविता लाल, शिव किशोर शर्मा, प्रेमशंकर मिश्रा, रमेश प्रसाद व अन्य मौजूद थे। डांडिया प्रोग्राम का आयोजन में जिस तरह से सभी वर्ग के महिला पुरुष, बचे ने हिस्सा ले कर धूम धाम से शिरकत किया , निश्चय ही माता रानी का आगमन की उल्हास दिख गया।

दुर्गा पूजा की धूम अभी से ही महिलाओं , पुरुषों के बीच डांडिया डांस के रूप में देख कर , लगा कि उत्साह दोगुना हो जाता है। अन्य भी कई तरह के भाव को संजोते हुए राजधानी रांची में इस बार एक खास आयोजन हुआ है।

दुर्गा पूजा की धूम अभी से ही महिलाओं , पुरुषों के बीच डांडिया डांस के रूप में देख कर , लगा कि उत्साह दोगुना हो जाता है। कई तरह के भाव को संजोते हुए राजधानी रांची में इस बार एक खास हुआ आयोजन

अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कारों, जिसमें कई साहित्यिक सम्मान और डॉक्टरेट की उपाधि है शामिल

मानवाधिकार, साहित्य में विशेषज्ञता के साथ एक उच्च उपलब्धि वाली और सम्मानित पेशेवर। झारखंड राष्ट्रीय मानवाधिकार परिषद की प्रदेश अध्यक्ष और रांची राष्ट्रीय अपराध जांच ब्यूरो की जिला निदेशक के रूप में सिद्ध नेतृत्व कौशल। कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कारों, जिसमें कई साहित्यिक सम्मान और डॉक्टरेट की उपाधि शामिल है, के साथ एक विपुल हिंदी लेखिका।

मुख्य बातें

* 4 विश्व रिकॉर्ड धारक: लंदन बुक ऑफ रिकॉर्ड्स, ओएमजी बुक ऑफ रिकॉर्ड्स, नेशनल बुक ऑफ रिकॉर्ड्स, और इन्फ्लुएंसर बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स।
* श्रीमती झारखंड दिवस 2025: उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित।

पेशा:
* राज्य अध्यक्ष, झारखंड राष्ट्रीय मानवाधिकार परिषद: झारखंड में मानवाधिकार पहल और वकालत का नेतृत्व करना।
* जिला निदेशक, रांची राष्ट्रीय अपराध जांच ब्यूरो (एनसीआईबी): जिला स्तर पर अपराध जांच प्रयासों का नेतृत्व करना।
* संबंध अधिकारी, केनरा एचएसबीसी लाइफ इंश्योरेंस (अक्टूबर 2021 - मार्च 2024): ग्राहक संबंधों का प्रबंधन और बीमा समाधान प्रदान करना।
* एआरडीएम, रिलायंस निप्पॉन लाइफ इंश्योरेंस कंपनी (मार्च 2020 - जुलाई 2021): व्यावसायिक रणनीतियों का विकास और ग्राहक पोर्टफोलियो का प्रबंधन।
* बीडीई, इंडसइंड बैंक लिमिटेड, रांची (नवंबर 2017 - अगस्त 2018): व्यावसायिक लीड बनाना और ग्राहक संबंधों का प्रबंधन करना।
* पुरानी कार बिक्री कार्यकारी, ट्रू वैल्यू कंपनी, रांची (दिसंबर 2015 - अक्टूबर 2017): पुरानी कारों की बिक्री और ग्राहक संबंधों का प्रबंधन।

पुरस्कार और सम्मान
* स्ट्राइड वैन इंडिया आकर्षक साहित्य पुरस्कार 2022
* अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा पुरस्कार 2022
* भारतीय शिक्षा पुरस्कार 2023
* एशियाई शिक्षा पुरस्कार 2023
* एमटीटीवी इंडिया "इंडियन आइकॉन अवार्ड्स" 2023

Dr.Megha Rani मानवाधिकार, साहित्य में विशेषज्ञता के साथ एक उच्च उपलब्धि वाली और सम्मानित पेशेवर

संपादकीय

नव रात्रि में मां दुर्गा की पूजा विशेष फलदायी है। नवरात्रि ही एक ऐसा पर्व है जिसमें माता दुर्गा, महाकाली, महालक्ष्मी और सरस्वती की साधना कर जीवन को सार्थक किया जा सकता है। अगर आप जीवन में भय एवं बाधाओं से परेशान है, तो यह मंत्र आपके लिए ही हैं। इन 4 मंत्र के उच्चारण से जीवन भय एवं बाधारहित होकर समस्त सुखों को प्राप्त करता है। मां दुर्गा के स्वरूपों का स्मरण करते हुए निम्न मंत्रों का जप नवरात्रि के अलावा प्रतिदिन किया जाए तो अधिक से अधिक सफलता प्राप्त होती है। अत: प्रत्येक मनुष्य को इन प्रभावी मंत्रों का जप अवश्य करना चाहिए।

1. सर्वमंगल मांगल्ये शिवे सर्वार्थ साधिके।
शरण्ये त्र्यंबके गौरी नारायणि नमोऽस्तुते।।

2. ॐ जयन्ती मंगला काली भद्रकाली कपालिनी।
दुर्गा क्षमा शिवा धात्री स्वाहा स्वधा नमोऽस्तुते।।

3. या देवी सर्वभूतेषु शक्तिरूपेण संस्थिता,
नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः।।
या देवी सर्वभूतेषु लक्ष्मीरूपेण संस्थिता,
नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः।।
या देवी सर्वभूतेषु तुष्टिरूपेण संस्थिता,
नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः।।
या देवी सर्वभूतेषु मातृरूपेण संस्थिता,
नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः।।
या देवी सर्वभूतेषु दयारूपेण संस्थिता,
नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः।।
या देवी सर्वभूतेषु बुद्धिरूपेण संस्थिता,
नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः।।
या देवी सर्वभूतेषु शांतिरूपेण संस्थिता,
नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः।।

4. नवार्ण मंत्र 'ॐ ऐं ह्रीं क्लीं चामुण्डायै विच्चै' का जाप अधिक से अधिक अवश्य करें।

मैं आज के समय अनुसार समय समय पर अपडेट होने के लिए रेडी रहती हु, यही सोच के साथ आप लोगों के सामने स्टोरी लाइन इंडिया को लाया था और आप सब के प्यार, साथ से यहां तक का सफर पूरा हुआ है, और हमेशा नई सोच,कुछ और करने का जुनून ने मुझे नए अध्याय जा9रते रहने पर प्रेरित किया है, अब से आपलोगों के सामने आ रहा है। दो साल पहले नवरात्रा के अवसर पर मेरी अपनी मैगजीन स्टोरी लाइन इंडिया आप सभी के समक्ष E -Magazine के रूप में आई,सोच से ज्यादा प्यार मिला और सभी पाठकों के द्वारा सराहा गया।

साल भर पहले नवरात्रा के अवसर पर ही मैने हार्डकॉपी के रूप में सभी के सामने लाया, जिसको आप सभी ने हाथों हाथ लिया और इसकी पेज क्वालिटी के लिए, खासकर कई बार मुझे भावुक कर देने वाली प्रतिक्रिया मिली।

इस नवरात्रा में मां दुर्गा के आशीर्वाद और आप सबके साथ से स्टोरी लाइन इंडिया महीने में एक बार नहीं ,बल्कि समय समय पर सोशल मीडिया के विभिन्न माध्यम से जिसमें , स्टोरी लाइन इंडिया का खुद का वेबसाइट, फेसबुक पेज , इंस्ट्राग्राम, वॉट्सएप और भी अन्य माध्यम से आपलोगों से रुबरु होता रहेगा।

आप सभी अपना साथ और विश्वास स्टोरी लाइन इंडिया के साथ यूंही बना कर रखे। दुर्गा पूजा हमेशा से ही खास रहा है मेरे लिए, माता दुर्गा के आशीर्वाद से बहुत कुछ पाया है, मां अपना आशीर्वाद यूंही बनाने रखे। अपने तरह ही शक्ति दे।

स्टोरी लाइन इंडिया ने नवरात्रा के अवसर पर आपके सामने नवदुर्गा के नवरुप से रुबरु करा रही हैं। ये वो महिलाएं हैं जो सशक्त, आत्मनिर्भर, स्वाभिमानी होने के साथ ही घर परिवार के जिम्मेदारी को निभाते हुए,अपनी खुद की पहचान के लिए जानी जाती है।

ये महिलाएं अपने काम से जानी हैं, समाज में कई लोगों के सामने आदर्श रुप में हैं।जिनको देख कर रोज नई सीख मिलती हैं। नए समाज के नवरुप की पहचान है ये हमारी नवदुर्गा।

साधना कुमर
मुख्य संपादिका

फिल्मों के लिए 3,000 से अधिक गीतों को अपनी आवाज दे चूकिं है

दीपा नारायण झा भारतीय पार्श्व गायिका हैं और प्रसिद्ध गायक उदित नारायण की पत्नी हैं, जिनके साथ उनका विवाह 1985 में हुआ था। वह आदित्य नारायण की माँ हैं, जो एक पार्श्व गायक और प्रस्तुतकर्ता हैं। दीपा ने बॉलीवुड में कई फिल्मों के लिए 3,000 से अधिक गीतों को अपनी आवाज दी है।

प्रारंभिक जीवन और करियर : दीपा नारायण झा (मूल रूप से दीपा गहतराज) दार्जिलिंग में पैदा हुई थीं। उन्होंने अपनी शिक्षा कलिम्पोंग के सेंट फिलोमिना गर्ल्स स्कूल से प्राप्त की। एक गायिका के रूप में, उन्होंने 15 से अधिक भाषाओं में 3,000 से अधिक गीत गाए हैं।

वह एक खुफिया अधिकारी स्वर्गीय दलसिंह गहतराज और एक प्रतिभाशाली रेडियो गायक लकी गहतराज की पुत्री हैं।

पारिवारिक जीवन : उदित नारायण ने दीपा गहतराज से 1985 में शादी की थी, जिसके बाद उन्होंने अपना सरनेम बदलकर दीपा नारायण झा रख लिया। उनके एक पुत्र, आदित्य नारायण हैं, जो एक लोकप्रिय गायक और प्रस्तुतकर्ता हैं। दीपा नारायण झा (गहतराज) दार्जिलिंग के सुरम्य शहर में जन्मी एक असाधारण शख्सियत हैं। वह एक खुफिया अधिकारी स्वर्गीय दलसिंह गहतराज और एक प्रतिभाशाली रेडियो गायक लकी गहतराज की पुत्री हैं।

एक्टिंग के साथ फैशन सब फील्ड के साथ साथ मैंने सोशल वर्क भी किया

मैं सुनीता सराफ .बचपन से ही सपना और चाहत थी की कुछ ऐसा करूँ जिससे समाज में औरतों के लिए कुछ कर सकूँ और अपनी एक पहचान बना सकूं की लोग मुझे मेरे नाम से जाने . आसान नहीं होता ये सफ़र पर नामुमकिन भी कुछ नहीं ..क्रिएटिविटी के साथ सफ़र शुरू हुआ और एक्टिंग फैशन सब फील्ड के साथ साथ मैंने सोशल वर्क करना सुरु किया .. २०११ में मैंने देखा महिलायें अपने स्वास्थ्य के प्रति बहुत लापरवाही करती हैं और मैंने तय किया की मैं स्वास्थ्य के प्रति महिलाओं को अवेयर करूँगी और उनके स्वास्थ्य पे काम करूँगी. फीमेल फिटनेस मंत्रा संस्था की सुरवात की मैंने और १५ सालों में लाखों महिलाओं को अपने आप को फिट और हिट रखना सिखाया और एक रोज़गार का नया आयाम दिया उनको और आज सबको स्वास्थ्य के प्रति जागरूक देख कर अच्छा लगता है महिलाएँ आत्मनिर्भर बने ये बहुत ही जरूरी है .. घर में बैठ कर डिप्रेशन में जाना और मन की सारी इच्छा को दबाना ,इससे बाहर निकालकर उनको ज़िंदगी जीना सिखाया मैंने उनको ख़ुद से प्यार करना सिखाया.

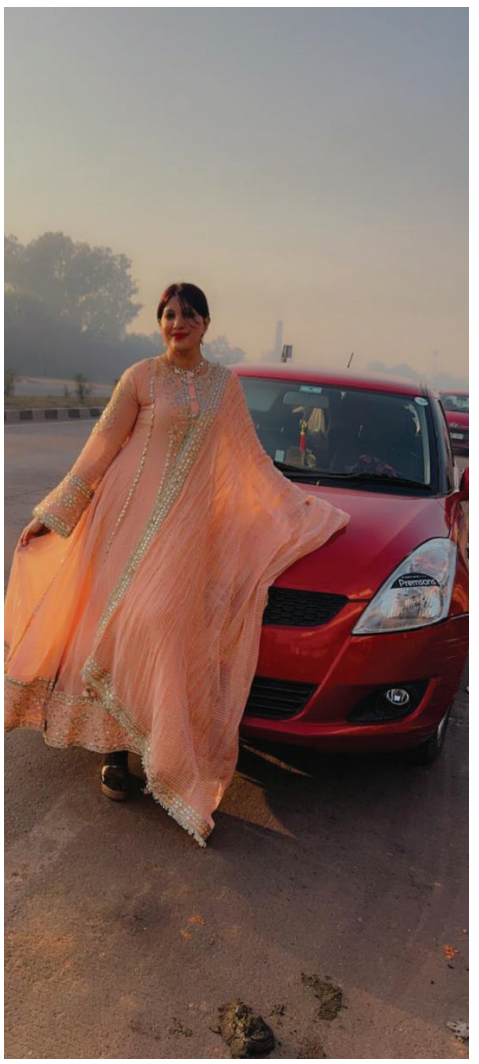

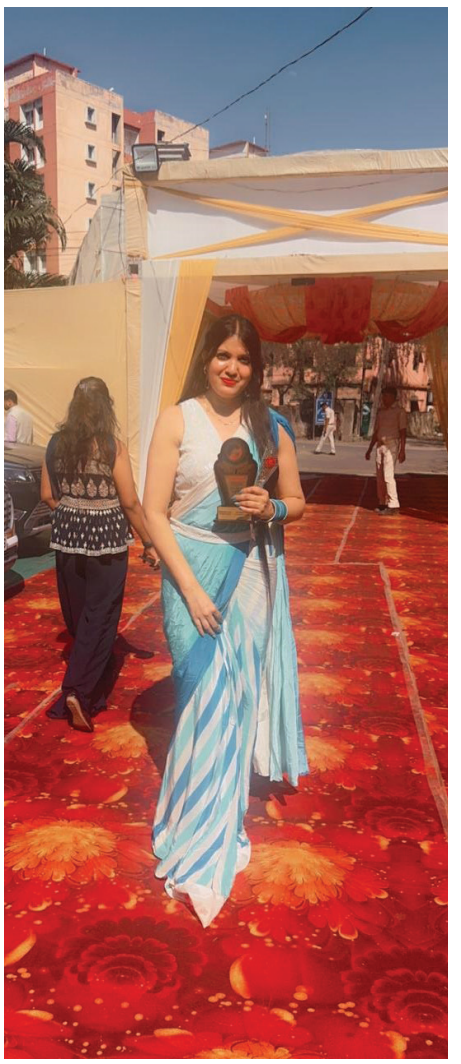

फीमेल फिटनेस मंत्रा संस्था की सुरवात की मैंने और 15 सालों में लाखों महिलाओं को अपने आप को फिट और हिट रखना सिखाया

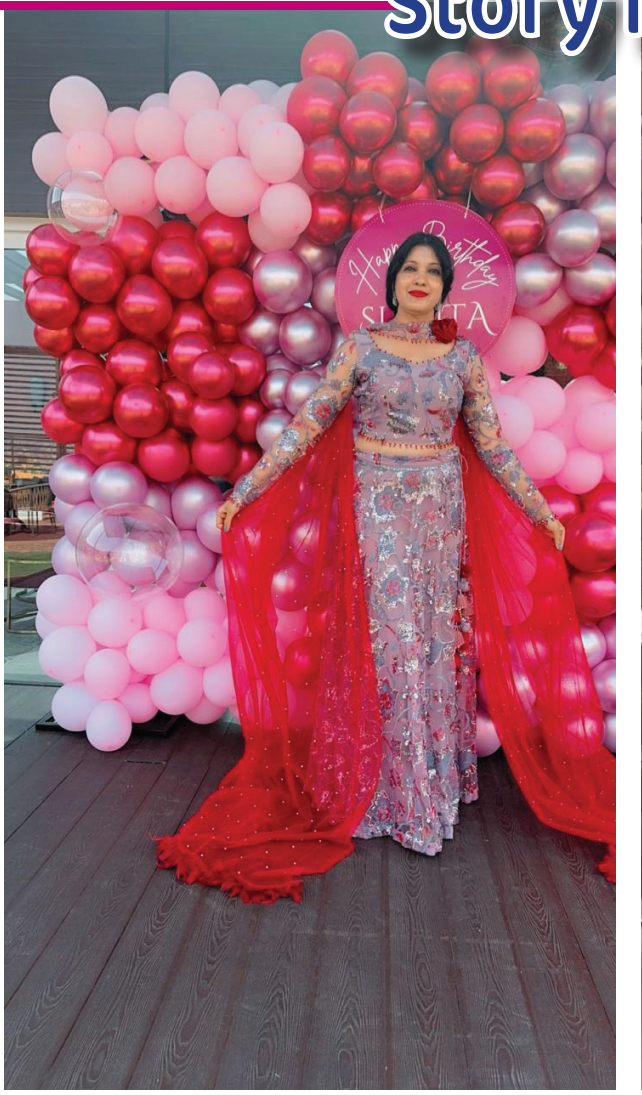

मेरा ये हमेशा मानना है ज़िन्दगी के हर पल को जीना है और ऐसे जीना है की बस यही आखरी हो और इसी तरह से एक दूसरे की मदद हमेशा ऐसे करनी है जैसे ये मेरा ही हिस्सा हो .. हँसने से ज़्यादा अच्छी दवा कहीं नहीं मिलती इसलिए इससे मत भूलिए लाइफ के किसी भी लम्हे में ....

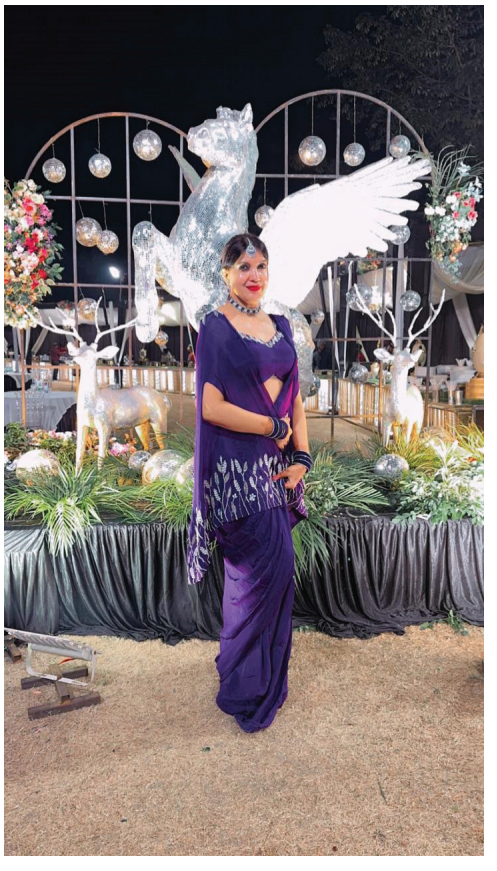

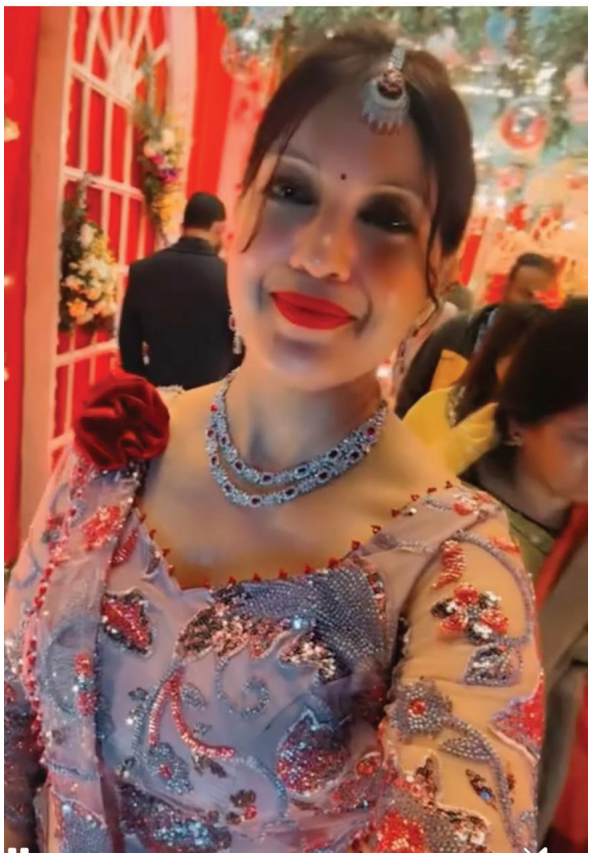

माँ थी उनकी ममता और उनका साथ मुझे जीवन की पहली बड़ी ताकत दे गया

मैं जब सिर्फ तीन साल की थी, तभी मेरे पापा हमें छोड़कर चले गए, अपने जीवन की नई दुनिया बसाने के लिए। माँ और मैं, दो छोटी-छोटी दुनिया की यात्री, रहे माँ बस 25 साल की और मैं गोद मे। माँ ने ईश्वर की ओर हाथ बढ़ाया और अपने जीवन में नई शुरुआत की। वह कार्यालय सहायक के पद पर सेवा सदन अस्पताल में काम करती थी हमारे परिवार का जीवन सरल था, मगर माँ ने हर दिन मुझे यह महसूस कराया कि प्यार और समर्पण से बड़ी कोई ताकत नहीं होती।

मैं अपने नाना-नानी के साथ क्वार्टर में रही।क्युकी नानी हेड नर्स थी नाना जी जमींदार नानी के प्यार और नाना की देखभाल में मेरा बचपन बीता।नानी मेरे लिए मेरी पहली माँ थी उनकी ममता और उनका साथ मुझे जीवन की पहली बड़ी ताकत दे गया। माँ हर पल मेरे साथ थीं। उन्होंने दूसरी शादी नहीं की ताकि मुझे एक अच्छा जीवन दे सके आज भी मेरी माँ प्रेरणा है उन औरतों के लिए जो पतियों का अत्याचार सह के उनके साथ रहती है उनके कठिन परिश्रम और उनके सपनों ने मुझे यह सिखाया कि असली संघर्ष वही है जो बिना शिकायत के किया जाए।

मैं बड़ी होकर समझ गई कि माँ की सैलरी ज्यादा नहीं है। घर की हालत भी अच्छी थी लेकिन फिर भी मुझे अहसास हुआ कि जीवन में हर चीज़ पाने के लिए मेहनत करना पड़ता है। मैंने मेरे घर मे नानी को माँ को हमेशा से काम करते देखा नाना जी जमींदार थे लेकिन फिर भी नानी पाओ पर खड़ी थी और माँ ने भी आत्मनिर्भरता को छूना था मैंने कभी किसी चीज़ के लिए जबरदस्ती नहीं की। क्युकी मैं शुरू से बहुत संतुष्ट थी। साल 2013 में, मैं स्कूल में टॉपर बनी।झारखण्ड राज्य मे मेरा 7वा स्थान था मेरी मेहनत और लगन ने मुझे सफलता दिलाई। लेकिन अगले ही साल, नानी के जाने के बाद मुझे लगा कि मेरी पूरी दुनिया ही खत्म हो गई। उस समय मेरी माँ की वही बातें मेरे कानों में गूँजने लगीं – "तुम आगे बढ़ो, मैं हु ना" उसी वचन ने मुझे खड़ा किया और मुझे आगे बढ़ने की ताकत दी।

माँ ने मुझे कभी यह एहसास नहीं होने दिया कि मेरे पिता नहीं है ना ही कभी समाज ने मुझे अस्वीकार किया मैंने खुले गले से इस बात को स्वीकारा की मेरी माँ सिंगल पेरेंट्स है उन्होंने माता पिता दोनों की भूमिका निभाई मुझे ये कहते हुए शर्म नहीं बल्कि हमेशा गर्व होता है की जो परवरिश और संस्कार मेरे अकेली माँ ने मुझमें डाला है वो अच्छे अच्छे माता पिता मिल कर नहीं डाल पाते समय बीता, और मैंने प्रेम विवाह किया। समाज और परिवार के विरोध का सामना करना पड़ा। क्युकी आज भी समाज प्रेम विवाह अंतरजातीय विवाह को स्वीकार नहीं करता शादी

के बाद मुझे पहली बार अपने पिता की कमी का एयसास हुआ और करवाया गया अपनों के द्वारा मुझे बार-बार यह बताया गया कि मेरे पिता नहीं हैं, मेरी माँ तलाकशुदा हैं। मेरा कोई अस्तित्व नहीं है मैं एक टूटे परिवार से हु।

शादी के डेढ़ साल बाद, मैं माँ बनी। उस समय मैंने अपनी पहचान खोई हुई महसूस की। बचपन के स्कूल के पुरस्कार और मेरी मेहनत की यादें ही मेरी प्रेरणा बन गईं। लॉ शादी से पहले समाप्त कर चुकी थी लेकिन बच्चा ज़ब एक साल का हुआ तब मैंने AIBE(ALL INDIA BAR EXAMINATION) दिया लेकिन मुझे बताते हुए खुशी होती है की फॉर्म भरने से लेकर मेरे अंदर जोश भरने तक का काम मेरे पति ने की जिस पढ़ाई से मेरा नाता टूट गया था उन्होंने सारी किताबें मेरे सामने बिछाया और कहा तुम exam लिखो और तुम जरूर निकलोगी मुझे विश्वास है exam center के बाहर मेरी माँ मेरे पति मेरे एक साल के बच्चे को लेकर बैठे रहते थे और मैंने एक ही attempt मे exam पास किया और लाइसेंस हासिल की।
माँ ने मुझे प्रेरित किया की तुम school मे डिबेट करती थी इतना अच्छा बोलती हो videos बनाओ मैंने माँ के कहने पर विडियो बनाना शुरू किया मोटिवेशन वीडियोस बनाने लगी लोग खुद को जोड़ने लगे अच्छे followers बने लेकिन घर पर पूरा विरोध हुआ मेरे ऊपर पाबंदिया लगाई गई की वीडियोस नहीं बनाये जाये लेकिन मैंने ठान लिया था की videos तो बनाऊगी क्युकी इन्ही videos ने मुझे नाम दिया है पहचान दी है मेरे पति ने हर बार मुझे हिम्मत दिया आलोचना तो मैंने इतने सुने है की आदत सी होगई थी कभी किसी ने कहा था मुझे वीडियोस बनाना बहुत आसान है जाये कोर्ट और बहस करे तब मानेंगे। और आज उनको मैंने अपना जवाब दे दिया बड़े बड़े क्रिमिनल केसेस मैंने खुद के दम पर लड़े और जीते जिस कारण से मुझे human rights mission से सम्मानित किया गया और उनकी state legal secretary नियुक्ति किया गया
आज मैं lions club of ranchi harikanak greater की project chair पर्सन हु साथ ही 3 समाचार पत्र की लीगल कॉलोम।

Writer हु जिसने नविन मिल अख़बार खबर मंत्र और झारखण्ड news 24 शामिल है लोगों का प्यार और समर्थन मेरे लिए फिर से ऊर्जा का स्रोत बन गया है। आलोचना से मुझे डर नहीं लगता क्युकी मैंने देखा है मेरे आलोचक भी मुझे देख कर आगे बढ़ रहे है। मुझे ईश्वर पर बहुत यकीन है जिन जिन लोगो ने मुझे पर कभी ऊँगली उठाई थी आज मेरा किरदार और मेरा अस्थितव उनके लिए सबसे बड़ा सबक है। मैंने ज़िन्दगी से एक चीज बहुत करीब से सीखी है संघर्ष तो करना पड़ेगा और मैं उस पथ की राहगीर हु जो निरंकार चलना और संभालना जानती हु। ये मेरी कहानी है एक बेटी की जिसने संघर्ष देखा एक माँ की जिसने ममता के लिए अपना सपना छोड़ा एक पत्नी की है जिसने अपने पति के लिए सबकुछ त्याग दिया एक औरत की है जिसने कभी हार नहीं माना।

ये मेरी कहानी है एक बेटी की जिसने संघर्ष देखा एक माँ की जिसने ममता के लिए अपना सपना छोड़ा एक पत्नी की है जिसने अपने पति के लिए सबकुछ त्याग दिया एक औरत की है जिसने कभी हार नहीं माना।

FLOURISHING FASHION DESTINATION SHE FOUNDED IN APRIL 2018

Tina Roy is a dynamic entrepreneur, dedicated mother, and active social contributor, who has successfully blended her personal and professional responsibilities with grace and determination. She is the proud owner of Soudamini Boutique, a flourishing fashion destination she founded in April 2018. The boutique specializes in an exquisite collection of sarees, ranging from Pure Silk, Tussar, Bengali Handloom, and Benarasi to other traditional varieties, while also showcasing a wide selection of handmade designer jewellery, hand-stitched suit pieces, blouse pieces, and bed sheets. Under her leadership, Soudamini Boutique has become a trusted name for customers seeking elegance, authenticity and craftsmanship.

Alongside her entrepreneurial journey, Tina Roy plays an important role in the business community.

She currently serves as the Treasurer of MSME Jharkhand, where she contributes her expertise and commitment towards empowering women in small and medium-scale enterprises in the state.

She currently serves as the Treasurer of MSME Jharkhand, where she contributes her expertise and commitment towards empowering women in small and medium-scale enterprises in the state.

Beyond her professional endeavors, Tina is deeply connected with spirituality and social service. She is an active participant in the Art of Living Foundation, founded by Sri Sri Ravi Shankar, where she finds inspiration for personal growth and community service. Her compassion also extends to social and cultural activities through her involvement with Pahal NGO and other initiatives that focus on upliftment and welfare.

Balancing her roles as a successful entrepreneur, community leader, and mother of two, Tina Roy embodies resilience, dedication, and compassion. Her journey stands as an inspiration to many women who aspire to pursue their dreams while nurturing family life and giving back to society.

She is an active participant in the Art of Living Foundation, founded by Sri Sri Ravi Shankar, where she finds inspiration for personal growth and community service.

एक माध्यम बंगाली परिवार में जन्म लेनेवाली लड़की की कहानी...

बचपन के कुछ दिन अपने गांव में ही वक्त बिता। पिताजी सरकारी कर्मचारी थे गिरिडीह जिले में।माँ पिताजी का भरपूर प्यार और अनुशासन में मेरी परवरिश हुई।प्राथमिक शिक्षा गाँव के स्कूल में हुई, माँ पढ़ी लिखी थी जिसकारण मेरी माँ हमेशा चाहती थी मैं अच्छे से पढ़ाई करू।गांव में शिक्षा की अच्छी व्यवस्था नहीं थी, खासकर लड़की की पढ़ाई को लेकर गाँव के लोग बहुत जागरूक नहीं थे।जिसकारण माँ मेरी पढ़ाई को लेकर चिंता करती थी।पिताजी माँ की चिंता देख हमलोगों को गिरिडीह शहर लेके आये, और मेरी आगे की पढ़ाई के लिए स्कूल में दाखिला करवा दिया गया।फिर क्या था मैं भी नए शहर में अपने सपने देखने लगी मध्य विद्यालय से हाई स्कूल पहुचते पहुचते मेरे अंदर कला के प्रति रुचि बढ़ती गयी, स्कूल में होने वाले सभी प्रतियोगिता में भाग लेना, उसी दौर में मेरी एक छोटी सी कविता अखबार में प्रकाशित हुई थी।माँ पिताजी मेरी प्रतिभा से प्रभावित होते थे,खासकर मेरी माँ। पिताजी बहुत मेहनती इंसान थे, इसलिए मैं भी जो भी सीखी पूरी लगन और मेहनत से।

मेरी छोटी छोटी सफलता माँ बाबा को बहुत खुशी मिलती थी। पर मेरी जीवन के आगे के सफलता पिताजी नहीं देख पाए, पिताजी का अचानक देहांत हो गया, माँ पिता के अकेली संतान होने के कारण पिताजी के दाह संस्कार मैंने ही किया, जिसके लिए मेरी माँ को समाज से लड़ना पड़ा, माँ का कहना था बेटा बेटी जब एक समान ह तो बेटी दाह संस्कार क्यों नहीं कर सकती.

मेरी छोटी छोटी सफलता माँ बाबा को बहुत खुशी मिलती थी। पर मेरी जीवन के आगे के सफलता पिताजी नहीं देख पाए, पिताजी का अचानक देहांत हो गया, माँ पिता के अकेली संतान होने के कारण पिताजी के दाह संस्कार मैंने ही किया....

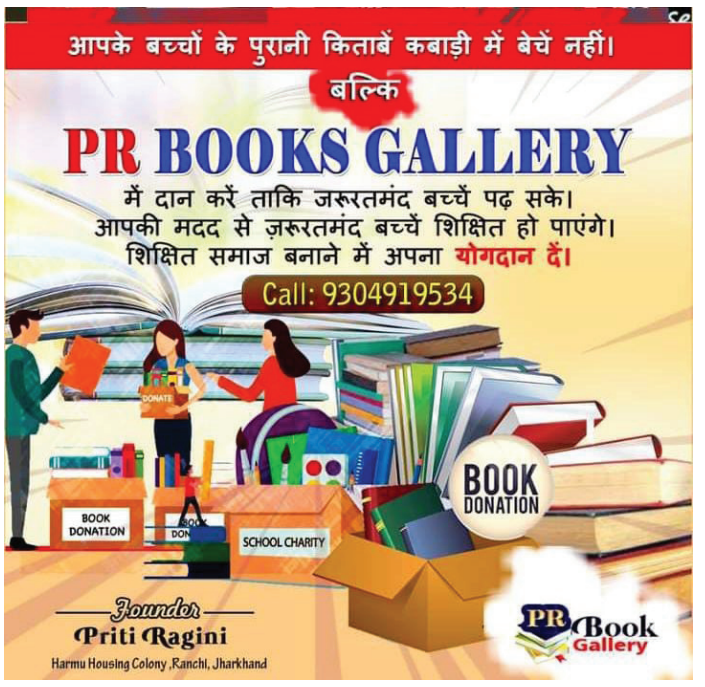

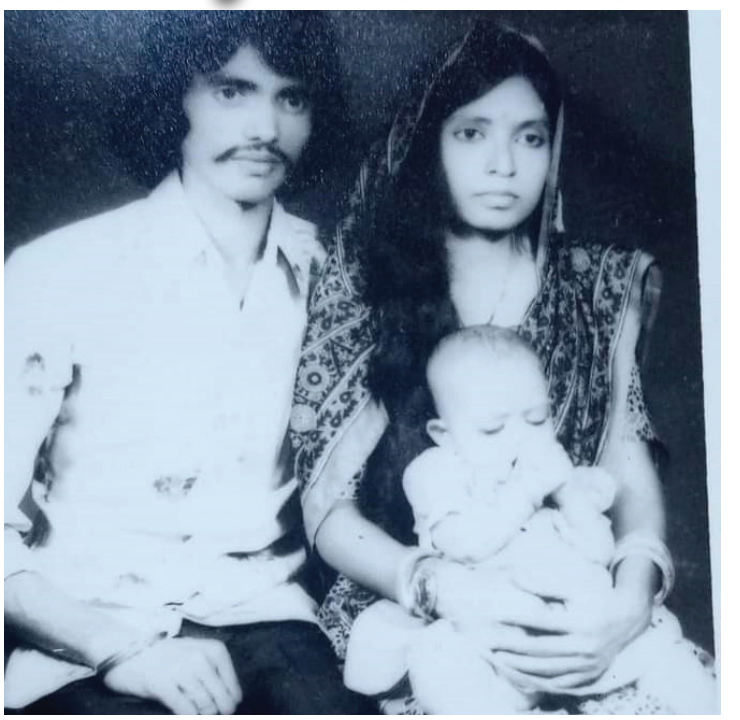

यही से मेरी जीवन में और समाज के रूढ़िवादी विचारों का परिवर्तन शुरू हुआ। माँ पढ़ी लिखी थी बच्चों को ट्यूशन पढ़ाती साथ ही सिलाई का काम करती।मेरी आगे पढ़ाई माँ ने बहुत मेहनत से कराई। 10th के बाद मैं छोटे बच्चों को ट्यूशन पढ़ाने लगी और आगे की पढाई जारी रखी।साथ ही कला के प्रति मेरी रुचि मुझें पहचान देने लगी, मंच से मेरी पहचान स्कूल से हुई जो आज भी जारी है। कॉलेज में भी कार्यक्रम करती रही। उसी दौर में बतौर एल्बम अर्टिस्ट के तौर पे कई धार्मिक एल्बम में काम करने का मौका मिला। टी सीरीज सिंगर बिपिन सचदेवा औऱ बंदना वाजपेय के धार्मिक हिंदी गानों से एक्टिंग की शुरुआत हुई। बाद में बंगला भोजपुरी भजनों में काम मिला।नागपुरी एल्बम में काम करने के क्रम में 2010 में राँची आ गई। शुरुआत में इग्नू से मास कम्युनिकेशन से डिप्लोमा के साथ ही एक मीडिया चैनल में काम करने लगी। 2011 में ड्रीम गर्ल कॉन्टेस्ट में फर्स्ट रनर अप रही। रांची में रंगमंच से मेरी लगाव होने से थिएटर गुरु श्री अजय मलकानी सर के थिएटर वर्कशॉप जॉइन की। साथ ही 2012 से मंच से मंचसंचालन शुरुआत हुई। 2013 से रांची दूरदर्शन के कृषि दर्शन के कार्यक्रम में एंकरिंग की शुरुआत। इवेंट एंकरिंग से मेरी पहचान एंकर प्रीति रागिनी से हुई सफर की शुरुआत हुई दर्शकों के प्यार से सफर जारी है।

अब तक कई ब्रांड के एंकरिंग के साथ कई ब्रांड के लिये शूट कर रही हु।ज्वेलरी एंव साड़ी एड शूट मेरी पसंद है। अपकमिंग बैनर शूट वेस्ट बंगाल पे काम कर रही हु। सामाजिक कार्य में आपने समर्थ से योगदान देती हूं। कोविड के समय से मैंने एक काम की शुरुआत नकी हु जिसका लोगो ने समर्थन किया, (PR Books gallery) जिसका मुख्य उद्देश्य है पुरानी किताबें कबाड़ी में बेचे नहीं जरूरतमन्द बच्चों को दे। इस कार्य को मैं व्हाट्सएप ग्रुप के माध्यम से चलती हु जिसमे स्टूडेंट्स और पेरेंट्स है। मेरी इस मुहिम में आप सभी जुड़े और शिक्षित समाज बनाने में अपना योगदान दे।

2013 से रांची दूरदर्शन के कृषि दर्शन के कार्यक्रम में एंकरिंग की शुरुआत। इवेंट एंकरिंग से मेरी पहचान एंकर प्रीति रागिनी से हुई सफर की शुरुआत हुई दर्शकों के प्यार से सफर जारी है।

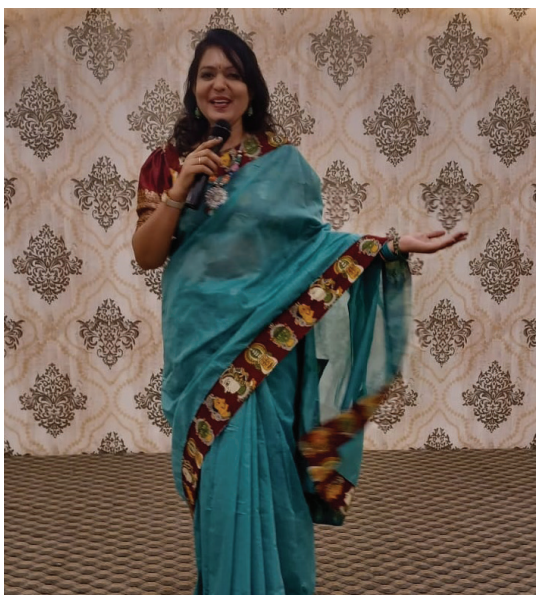

SENIOR FEVICRYL CERTIFIED PROFESSIONAL OF JHARKHAND

Daisy Sinha : Artist n social activist Founder of “prerna training centre” n Taksheel creations for Art lovers „former cabinet joint sec of lions dist 322A n founder of lions club of ranchi galaxy„ senior fevicryl certified professional of jharkhand„ National awardee from fevicryl (pidilite industries Ltd,makers of fevicol),a fashion artist n expert of Indian folk art (mithila painting,Sohrai painting)„ lots of award winner jharkhand top artist of fevicryl„guru samman„ nari sakti samman„guru

lots of award winner jharkhand top artist of fevicryl„guru samman„ nari sakti samman„guru gaurav samman„n lots of awards from lions.

gaurav samman,, n lots of awards from lions. right now working as jharkhand senior fevicryl artist,, fashion artist,, folk artist n social activist

expert of Indian folk art (mithila painting,Sohrai painting),, lots of award winner jharkhand top artist of fevicryl,,guru samman,, nari sakti samman...

झारखंड की उड़ान: अपनी राह बनाने का सफर

आसनसोल से मॉडलिंग की दुनिया तक, कैसे अपने सपनों को जी रही हैं नीलम वर्मा

मेरी कहानी आसनसोल के एक छोटे से घर से शुरू होती है, जहाँ मेरे बचपन की सबसे प्यारी यादें रंगीन कागजों, मिट्टी और कलाकृतियों से भरी हैं। बचपन से ही, आर्ट एंड क्राफ्ट मेरा जुनून था। मैं घंटों तक कुछ न कुछ बनाती रहती थी, और हर नई रचना मुझे एक अलग ही खुशी देती थी। मेरा मानना था कि यही मेरा भविष्य होगा।

फिर शादी हुई और मेरी ज़िंदगी ने एक नया मोड़ लिया। मैं झारखंड चली गई और घर-गृहस्थी की जिम्मेदारियों में उलझ गई। एक समय ऐसा भी आया जब लगा कि मेरा बचपन का जुनून कहीं पीछे छूट रहा है। पर मेरे अंदर की कलाकार कभी शांत नहीं हुई। मैंने घर की जिम्मेदारियों के साथ-साथ एक नौकरी भी शुरू की, लेकिन अपने पैशन को कभी नहीं छोड़ा। मुझे हमेशा लगता था कि कुछ बड़ा करना है, अपनी एक पहचान बनानी है।

और फिर एक दिन मैंने मॉडलिंग की दुनिया में कदम रखने का फैसला किया। यह मेरे लिए एक बिल्कुल नया क्षेत्र था, लेकिन मेरे अंदर का आत्मविश्वास और कुछ कर दिखाने की चाहत बहुत मजबूत थी। मैंने अपनी मेहनत और लगन से यह साबित कर दिया कि सपने देखने की कोई उम्र नहीं होती। मैंने झारखंड में होने वाले कई फैशन शोज में हिस्सा लिया और कई खिताब भी जीते। यह सफर आसान नहीं था। लोगों के सवाल, समाज का दबाव, और खुद पर संदेह के क्षण भी आए, पर मैंने हार नहीं मानी। मेरे पति और परिवार का साथ हमेशा मेरे साथ था, और उनकी प्रेरणा ने मुझे आगे बढ़ने में मदद की।

यह सफर आसान नहीं था। लोगों के सवाल, समाज का दबाव, और खुद पर संदेह के क्षण भी आए, पर मैंने हार नहीं मानी...

आज, मैं मॉडलिंग को ही अपना पेशा बना रही हूँ और पूरी लगन से काम कर रही हूँ। मेरा मानना है कि हर महिला के अंदर एक मजबूत इच्छाशक्ति होती है, बस उसे पहचानने और उस पर काम करने की जरूरत है। मैं उन सभी महिलाओं के लिए एक प्रेरणा बनना चाहती हूँ जो अपने सपनों को पूरा करने से डरती हैं। यह मेरी उड़ान की शुरुआत है, और मैं अपने पंखों को और भी ऊँचाई देने के लिए तैयार हूँ।

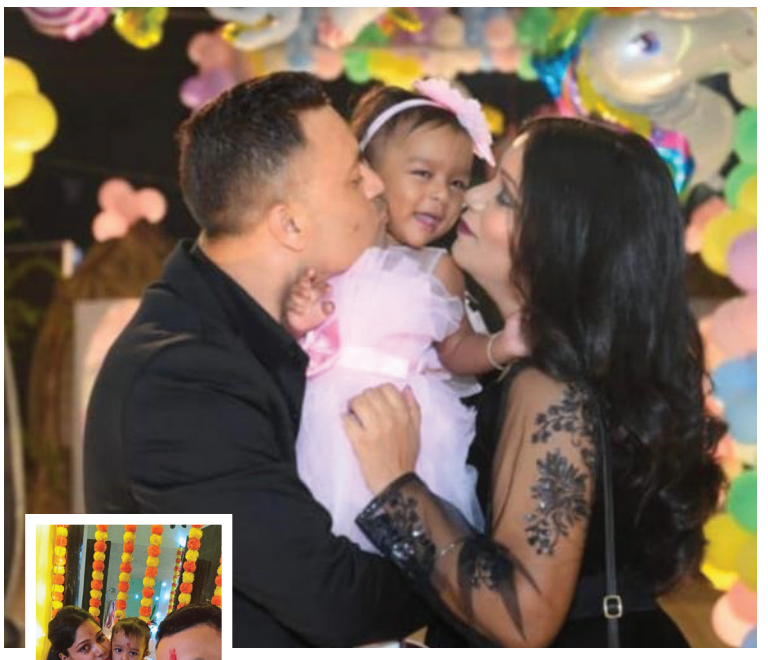

मैं उन सभी महिलाओं के लिए एक प्रेरणा बनना चाहती हूँ जो अपने सपनों को पूरा करने से डरती हैं। यह मेरी उड़ान की शुरुआत है...

2025 मेरे लिए काफी लक्की रहा जहां मैने अपने दूसरे सपनों को भी जिया...

नारीशक्ति की सच्ची मिसाल है डोमा शिप्रा, दार्जलिंग से ताल्लुक रखने वाली डोमा शिप्रा आज झारखंड हाय कोर्ट में सुरक्षा ड्यूटी में हैं।वो हमेशा ही अपनी ड्यूटी को बखूबी निभाती है ,घर हो या पुलिस की ड्यूटी ईमानदारी रखती हैं। 15 साल पहले ही इनके हसबैंड का देहांत हो गया पर फिर भी मां बाप, परिवार,और ससुराल वालों के साथ से आज ये पुलिस मै होते हुए भी अपने शौख जो कि इनको आज फैशन जगत का नामचीन नाम बना दिया है और कई खिताब मिसेज झारखंड रनर अप यो या सावन क्वीन अपने नाम कर चुकी हैं। इनके 2 बेटे हैं बड़ा बेटा दिल्ली यूनिवर्सिटी से ग्रेजुएशन कर रहे है वहीं छोटा बेटा बीबीए कर रहे हैं दार्जलिंग से।

वो कहती हैं कि मैं अभी झारखंड आर्म्स पुलिस 10 लेडीज बटालियन में काम कर रही हु, हमेशा अपने फील्ड में ड्यूटी के लिए रेडी हु। मेरे लिए ये मेरा धर्म है। अपने राज्य का , जहां मै तैनात हु, सुरक्षा करना मेरा फर्ज है।

हमेशा अपने फील्ड में ड्यूटी के लिए रेडी हु। मेरे लिए ये मेरा धर्म है। अपने राज्य का , जहां मै तैनात हु, सुरक्षा करना मेरा फर्ज है...

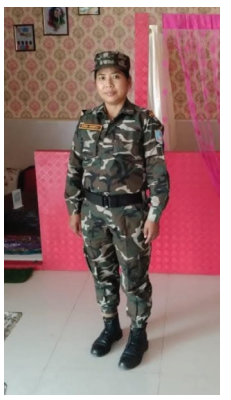

2025 मेरे लिए काफी लक्की रहा जहां मैने अपने दूसरे सपनों को भी जिया है और आज अपनी पहचान पाई है , फैशन फील्ड में साथ देने के लिए मैं अपने गुरु वसीम आलम, साधना मैम और सपना मैम का धन्यवाद कहूंगी।

आज फैशन जगत का नामचीन नाम बना दिया है और कई खिताब मिसेज झारखंड रनर अप यो या सावन क्वीन अपने नाम कर चुकी हैं।

अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कारों, जिसमें कई साहित्यिक सम्मान और डॉक्टरेट की उपाधि है शामिल

Dr.Megha Rani मानवाधिकार, साहित्य में विशेषज्ञता के साथ एक उच्च उपलब्धि वाली और सम्मानित पेशेवर

मानवाधिकार, साहित्य में विशेषज्ञता के साथ एक उच्च उपलब्धि वाली और सम्मानित पेशेवर। झारखंड राष्ट्रीय मानवाधिकार परिषद की प्रदेश अध्यक्ष और रांची राष्ट्रीय अपराध जांच ब्यूरो की जिला निदेशक के रूप में सिद्ध नेतृत्व कौशल। कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कारों, जिसमें कई साहित्यिक सम्मान और डॉक्टरेट की उपाधि शामिल है, के साथ एक विपुल हिंदी लेखिका।

मुख्य बातें

* 4 विश्व रिकॉर्ड धारक: लंदन बुक ऑफ रिकॉर्ड्स, ओएमजी बुक ऑफ रिकॉर्ड्स, नेशनल बुक ऑफ रिकॉर्ड्स, और इन्फ्लुएंसर बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स।
* श्रीमती झारखंड दिवस 2025: उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित।

पेशा: * राज्य अध्यक्ष, झारखंड राष्ट्रीय मानवाधिकार परिषद: झारखंड में मानवाधिकार पहल और वकालत का नेतृत्व करना।
* जिला निदेशक, रांची राष्ट्रीय अपराध जांच ब्यूरो (एनसीआईबी): जिला स्तर पर अपराध जांच प्रयासों का नेतृत्व करना।
* संबंध अधिकारी, केनरा एचएसबीसी लाइफ इंश्योरेंस (अक्टूबर 2021 - मार्च 2024): ग्राहक संबंधों का प्रबंधन और बीमा समाधान प्रदान करना।
* एआरडीएम, रिलायंस निप्पॉन लाइफ इंश्योरेंस कंपनी (मार्च 2020 - जुलाई 2021): व्यावसायिक रणनीतियों का विकास और ग्राहक पोर्टफोलियो का प्रबंधन।
* बीडीई, इंडसइंड बैंक लिमिटेड, रांची (नवंबर 2017 - अगस्त 2018): व्यावसायिक लीड बनाना और ग्राहक संबंधों का प्रबंधन करना।
* पुरानी कार बिक्री कार्यकारी, ट्रू वैल्यू कंपनी, रांची (दिसंबर 2015 - अक्टूबर 2017): पुरानी कारों की बिक्री और ग्राहक संबंधों का प्रबंधन।

पुरस्कार और सम्मान

* स्ट्राइ वैन इंडिया आकर्षक साहित्य पुरस्कार 2022
* अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा पुरस्कार 2022
* भारतीय शिक्षा पुरस्कार 2023
* एशियाई शिक्षा पुरस्कार 2023
* एमटीटीवी इंडिया "इंडियन आइकॉन अवार्ड्स" 2023

संबंध अधिकारी, केनरा एचएसबीसी लाइफ इंश्योरेंस (अक्टूबर 2021 - मार्च 2024): ग्राहक संबंधों का प्रबंधन और बीमा समाधान प्रदान करना

पुरानी कार बिक्री कार्यकारी, ट्रू वैल्यू कंपनी, रांची (दिसंबर 2015 - अक्टूबर 2017): पुरानी कारों की बिक्री और ग्राहक संबंधों का प्रबंधन। पुरस्कार और सम्मान

* "अंतर्राष्ट्रीय स्वर्ण नेतृत्व पुरस्कार" 2023
* "अंतर्राष्ट्रीय साहित्यिक सम्मान" 2023
* भारत सरकार के कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय द्वारा मान्यता प्राप्त मानद डॉक्टरेट पुरस्कार
* झारखंड आइकॉन अवार्ड्स 2023
* वर्थी वेलनेस फाउंडेशन, लखनऊ द्वारा विश्व रत्न सम्मान
* वर्थी वेलनेस फाउंडेशन द्वारा राष्ट्रीय प्रतिष्ठा पुरस्कार
* WAMS द्वारा "नारी सम्मान"
* "स्टोरीलाइन इंडिया अचीवर्स अवार्ड" 2024
* पुलिस पब्लिक रिपोर्टर द्वारा इंडिया नेशनल अवार्ड 2024
* बिरसा मुंडा पुरस्कार
* देश रत्न सम्मान 2024
* संस्कृति मंत्रालय के विश्व संस्कृति और पर्यावरण संरक्षण आयोग द्वारा साहित्य सेवा रत्न पुरस्कार 2025
* सेवानिवृत्त भारतीय सेना (YSS) द्वारा एनडीएमसी दिल्ली, भारत सरकार में राष्ट्रीय गौरव पुरस्कार
* आइकॉन ऑफ बिहार सम्मान 2025
* प्रधानमंत्री संग्रहालय, दिल्ली में भारत प्रतिभा सम्मान 2025
* केंद्रीय राज्य रक्षा मंत्री संजय सेठ द्वारा रांची से 75 साहित्यकारों में से एक के रूप में सम्मानित।

साहित्यिक उपलब्धियां
* उल्लेखनीय पुस्तकों की लेखिका:
  * अस्तित्व 'एक नारी का'
  * श्री कृष्ण लीला
  * कान्हा
  * धोखा 'एक कर्ज़'
  * मानसिक खेल
  * भय की परतें
  * यादों का जाल
  * अंदेखी सच्चाई
* लंदन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में सूचीबद्ध पुस्तकें

शिक्षा
* स्नातक (अर्थशास्त्र में ऑनर्स)
* कंप्यूटर अनुप्रयोगों में उन्नत डिप्लोमा

विश्व रिकॉर्ड
* लंदन बुक ऑफ रिकॉर्ड्स
* ओएमजी बुक ऑफ रिकॉर्ड्स
* नेशनल बुक ऑफ रिकॉर्ड्स
* 129 मिनट में 100 पन्नों की किताब लिखने में इन्फ्लुएंसर बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स

सदस्यता
* विश्व मानवाधिकार आयोग की राष्ट्रीय सदस्य

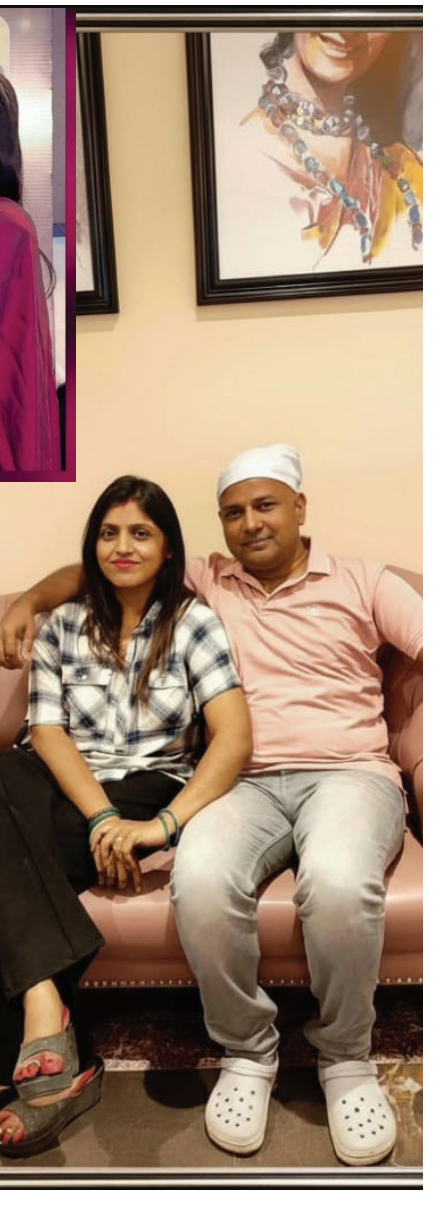

* साहित्य सेवा परिषद, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार की राष्ट्रीय सदस्य
* राष्ट्रीय लेखक संघ की राष्ट्रीय सदस्य
* झारखंड लेखक संघ की राज्य सदस्य

नामांकन और चयन
* पद्म श्री 2026 के लिए नामित
* वीर सावरकर राष्ट्रीय पुरस्कार 2025 के लिए चयनित

विशेष उपलब्धियाँ
* फिल्मोरा प्रोडक्शन द्वारा मुंबई में "दादा साहेब फाल्के इंडियन टेलीविजन अवार्ड 2024" प्राप्त करने वाली झारखंड की पहली व्यक्ति।

माता दुर्गा के स्वागत में ,डांडिया प्रोग्राम का आयोजन बारे धूम धाम मना

दुर्गा पूजा की धूम अभी से ही महिलाओं , पुरुषों के बीच डांडिया डांस के रूप में देख कर , लगा कि उत्साह दोगुना हो जाता है। कई तरह के भाव को संजोते हुए राजधानी रांची में इस बार एक खास हुआ आयोजन

स्टोरी लाइन इंडिया और आर्टिस्टिक एलायंस के द्वारा दो सो से अधिक लोगों के साथ कई गणमान्य अतिथि के बीच रांची के सीसीएल क्लब, गांधीनगर में, नवरात्रि के आगमन से पहले ही माता दुर्गा के स्वागत में ,डांडिया प्रोग्राम का आयोजन बारे धूम धाम से किया। जहां संयोजक साधना झा और सपना चटर्जी ने बताया कि चीफ गेस्ट के रूप में सोनाली भट्टाचार्य, वीवीआईपी गेस्ट के रूप में वसीम आलम व मेघा श्रीवास्तव,साथ में वीआईपी गेस्ट मै मुख्यरूप से बंदना उपाध्याय,सबीर हुसैन ,रिद्धिमा , अव्यंश, डेजी सिन्हा, नर्मता सोनी, मारिया ,ज्योति , दुर्गा ,सोनल, नूरसत , रीना गुप्ता, नविता लाल, शिव किशोर शर्मा, प्रेमशंकर मिश्रा, रमेश प्रसाद व अन्य मौजूद थे। डांडिया प्रोग्राम का आयोजन में जिस तरह से सभी वर्ग के महिला पुरुष, बचे ने हिस्सा ले कर धूम धाम से शिरकत किया , निश्चय ही माता रानी का आगमन की उल्हास दिख गया।

दुर्गा पूजा की धूम अभी से ही महिलाओं , पुरुषों के बीच डांडिया डांस के रूप में देख कर , लगा कि उत्साह दोगुना हो जाता है। अन्य भी कई तरह के भाव को संजोते हुए राजधानी रांची में इस बार एक खास आयोजन हुआ है।

स्टोरी लाइन इंडिया और आर्टिस्टिक एलायंस के संयुक्त तत्वावधान मे डांडिया डांस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महिलाओं के लिए मौज-मस्ती, नाच-गाना, रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ, गेम्स और डिनर की भी विशेष व्यवस्था की गई है। साथ ही सावन ग्लोरी अवार्ड से भी सम्मानित किया गया।

आयोजन को लेकर आयोजकों ने बताया कि यह एक ऐसा मंच रहा, जहां महिलाएं ,पुरुष सभी अपनी दिनचर्या और जिम्मेदारियों से अलग कुछ पल सिर्फ खुद के लिए जी है।

स्टोरी लाइन इंडिया की फाउंडर साधना कुमर ने कहा कि हमारा आयोजन करने का उद्देश्य यही है कि हम सब मिलकर माता रानी के आगमन की खुशियों को बाटे, अभी से ही हमे नवरात्र के पर्व का बेसब्री से इंतजार है।खुद के लिए जीना सीखें, सावन के इस खूबसूरत मौके को खुलकर सेलिब्रेट करें। उन्होंने यह भी बताया कि मुख्य गणमान्य लोगों को माता की प्रतिमा ,शैल , मोमेंटो दे कर सम्मानित भी किया गया। वहीं, आर्टिस्टिक एलायंस की संस्थापक स्वपना चटर्जी ने कहा, दुर्गा पूजा का स्वागत डांडिया डांस के रूप में कर के हम लोग माता दुर्गा का आवाहन कर रहे हैं ,मां आओ इस बार और भी खुशियों से सब के घर को भर दो। इस कार्यक्रम के जरिए हम सबको एक ऐसा मंच दिए, जहां वे पूरी आज़ादी से खुशियां मना सकें।"

कार्यक्रम की थीम भी बेहद आकर्षक है। इस खास मौके पर लायंस क्लब के द्वारा साधना झा कुमार और सपना चटर्जी को सम्मानित भी किया गया। इस प्रोग्राम के मैनेजमेंट की जिम्मेदारी दी गई थी वसीम आलम को ,जिन्होंने अपनी टीम के साथ सारे प्रोग्राम को मैनेज किया गया। कार्यक्रम में भाग लेने के लिए आए सभी लोगों ने जम कर तारीफ किया ,कहा कि इस प्रोग्राम का हिस्सा बन कर बहुत खुशी हो रही है।आयोजकों की माने तो यह सिर्फ एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि यादों का पिटारा रहा जिसे हर कोई अपने दिल में संजो कर ले जा रहा है।

स्टोरी लाइन इंडिया की फाउंडर साधना कुमर ने कहा कि हमारा आयोजन करने का उद्देश्य यही है कि हम सब मिलकर माता रानी के आगमन की खुशियों को बाटे, अभी से ही हमे नवरात्र के पर्व का बेसब्री से इंतजार है।

खास मौके पर लायंस क्लब के द्वारा साधना झा कुमार और सपना चटर्जी को सम्मानित भी किया गया। इस प्रोग्राम के मैनेजमेंट की जिम्मेदारी दी गई थी वसीम आलम को ,जिन्होंने अपनी टीम के साथ सारे प्रोग्राम को मैनेज किया गया....

झार राफ्ट सीजन 3 और मिस्टर, मिस, मिसेज 2025 का सफलतापूर्वक आयोजन

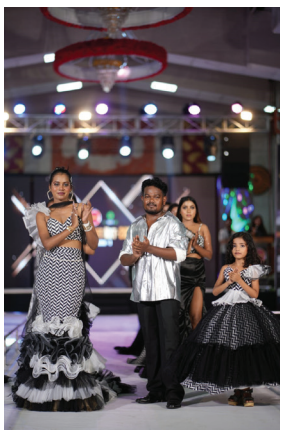

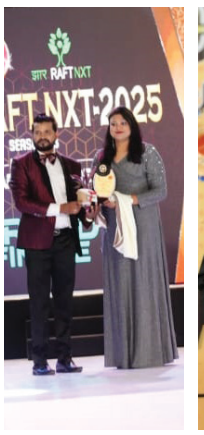

वाम्स प्रोडक्शन के डायरेक्टर वसीम आलम ने बताया कि यह आयोजन पिछले दो वर्षों से लगातार किया जा रहा है, जिससे झारखंड के उभरते मॉडल्स को अपनी प्रतिभा दिखाने और आगे बढ़ने का सुनहरा अवसर मिलता है....

झारखंड में फैशन और ग्लैमर का अनोखा संगम , झार राफ्ट सीजन 3 एवं मिस्टर ,मिस, मिसेज 2025 का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। 31 अगस्त, रविवार को , वाम्स इंस्टीट्यूट एवं प्रोडक्शन हाउस के द्वारा ,भव्यआयोजन बड़े ही उत्साह और गरिमा के साथ सम्पन्न हुआ। इस कार्यक्रम ने झारखंड की धरती पर एक नया फैशन अध्याय जोड़ा। जहां करीब सात सौ से ज्यादा लोगों ने शिरकत किया।

इस अवसर पर वाम्स प्रोडक्शन के डायरेक्टर वसीम आलम ने बताया कि यह आयोजन पिछले दो वर्षों से लगातार किया जा रहा है, जिससे झारखंड के उभरते मॉडल्स को अपनी प्रतिभा दिखाने और आगे बढ़ने का सुनहरा अवसर मिलता है। इस अवसर पर उन्होंने आगे जानकारी देते हुए कहां की।

इस अवसर पर झारखंड के विभिन्न शहरों से आए नामचीन 12 फैशन डिजाइनर्स

* 1. लैक्मे एकेडमी
* 2. ड्रीम ड्रेस रेंटल
* 3. रोज़ बुटीक
* 4. नमा सुतम् (विशाल गोप)
* 5. आशु त्यागी
* 6. जोहार आदिकला(साजन कुमार)
* 7. आइकोनिक मेकओवर
* 8. नीलिमा हस्सा पूर्ती
* 9. हीरामनी
* 10. सजकर
* 11. ड्रैप एंड ड्रेपर्स ने अपनी शानदार डिज़ाइन प्रस्तुत किए, जिन्हें राज्य के विभिन्न संस्थानों से आए लगभग 200 मॉडलों ने रैंप पर प्रदर्शित किया।

Anchor- Arshi, Aryan & Simran

इस आयोजन में नामी मेकअप आर्टिस्ट लक्मे एकेडमी,सोनल मेकअप स्टूडियो खुशबू खान मेकअप स्टूडियो,एट हेयरक्राफ्ट,द आइकॉनिक मेकओवर,कृष्णा मेकओवर,राहुल मेकओवर,मोनाली रॉय,पुष्पा शाही,अभिमन्यु शॉ ने मॉडल्स को आकर्षक लुक प्रदान कर कार्यक्रम की खूबसूरती को और निखारा।

मंच की शोभा बढ़ाने के लिए मुख्य अतिथि शंकर दुबे,विशेष अतिथि साधना कुमार झा,अरशद उबैद,साबिर हुसैन,नुसरत जी,देव ज्योति सर,पूजा लकड़ा और अन्य गरिमामयी अतिथिगण उपस्थित रहे। जिसमें जूरी में वसीम आलम, साधना झा, रिद्धिमा अग्रवाल, रौशनी जायसवाल, रानी शामिल थे। इस भव्य आयोजन की कोरियोग्राफी की कमान संभाली है। राज, अनुरागिनी, चाँद, रोहित, डॉ.शुस्मिता, अदित, अजीत.

इस भव्य आयोजन को सफल बनाने में पूरे WAMS टीम के सदस्यों श्वेता ,नीलिमा ,अनुरागिनी ,रोहित ,कृति, मुकुल का महत्वपूर्ण योगदान रहा। इस शो ने झारखंड के फैशन और मॉडलिंग क्षेत्र को नई पहचान दिलाने का कार्य किया और आने वाले समय में इसे और बड़े स्तर पर ले जाने का संकल्प लिया गया। ने मॉडल्स को आकर्षक लुक प्रदान कर कार्यक्रम की खूबसूरती को और निखारा प्रोडक्शन के डायरेक्टर वसीम आलम ने बताया कि यह आयोजन पिछले दो वर्षों से लगातार किया जा रहा है, जिससे झारखंड के उभरते मॉडल्स को अपनी प्रतिभा दिखाने और आगे बढ़ने का सुनहरा अवसर मिलता है।

इस खास शाम में विशिष्ट सम्मान द्वारा कविता वर्मा,पूजा थप्पा,स्वप्ना चटर्जी,सुनिधि मित्तल,रीना कुमारी गुप्ता, डॉक्टर मेघा रानी को मिसेज झारखंड दिवा की उपाधियों द्वारा नवाजा गया, वही डॉ. रोहित सिंह को झारखंड किंग की उपाधि दी गई। इन सभी 7 विशिष्ट व्यक्तित्वों को "स्पेशल क्राउनिंग" व मोमेंटो से सम्मानित किया गया । वहीं,मिस्टर, मिस, मिसेज व किड्स झारखंड के सभी कैटेगरीज़ में टॉप पांच का सलेक्शन जूरी ने चार राउंड जिसमें से बाइकर्स थीम , वेस्टर्न , क्वेशचन आंसर, व इंट्रोडक्शन राउंड के आधार पर चयन कर उनको सम्मानित किया गया।

मिस्टर कैटेगरी : विजेता :- शुभम नेहल : प्रथम उपविजेता :- प्रतम चौहान, द्वितीय उपविजेता :- हैरी सिद्ध, **तृतीय उपविजेता :-** वैभव सिंह **चतुर्थ उपविजेता :-** रहबर कुरैशी **मिस कैटेगरी** – विजेता :- अत्री भट्टाचार्य, प्रथम उपविजेता :- वैष्णवी **दुर्गा, द्वितीय उपविजेता :-** पूनम बेक, **तृतीय उपविजेता :-** सत्या मिश्रा, चतुर्थ **उपविजेता :-** ऋषिका उरांव **{ मिसेज कैटेगरी }** विजेता :- नीलम वर्मा, प्रथम उपविजेता :- प्रीति गंगवाल, द्वितीय उपविजेता :- डोमा शेरपा, तृतीय उपविजेता :- डॉ. कविता गुप्ता, चतुर्थ उपविजेता :- भवानी मुंडा किड्स कैटेगरी में विजेता :- अव्यांश, विजेता :- पारिधि हलदार, प्रथम उपविजेता :- प्रियांशी कुमारी द्वितीय उपविजेता :- एस्थर थापा, तृतीय उपविजेता :- अनुप्रिषा केरकेट्टा, चतुर्थ उपविजेता :- गुरमेहर छाबड़ा। इस भव्य आयोजन को सफल बनाने में पूरे वाम्स टीम के सदस्यों श्वेता ,नीलिमा ,अनुरागिनी ,रोहित चंद ,अजीत,जसविंदर, भूमि,कृति, मुकुल,का महत्वपूर्ण योगदान रहा। इस शो ने झारखंड के फैशन और मॉडलिंग क्षेत्र को नई पहचान दिलाने का कार्य किया और आने वाले समय में इसे और बड़े स्तर पर ले जाने का संकल्प लिया गया।

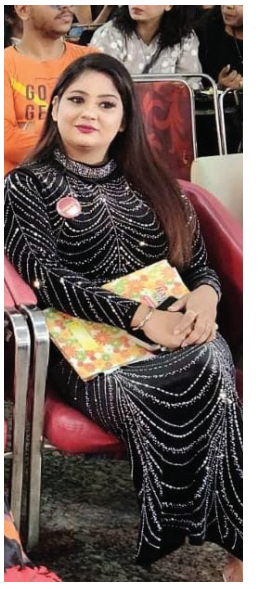

नीलिमा ,अनुरागिनी ,रोहित ,कृति, मुकुल का महत्वपूर्ण योगदान रहा। इस शो ने झारखंड के फैशन और मॉडलिंग क्षेत्र को नई पहचान दिलाने का कार्य किया और आने वाले समय में इसे और बड़े स्तर पर ले जाने का संकल्प लिया गया...

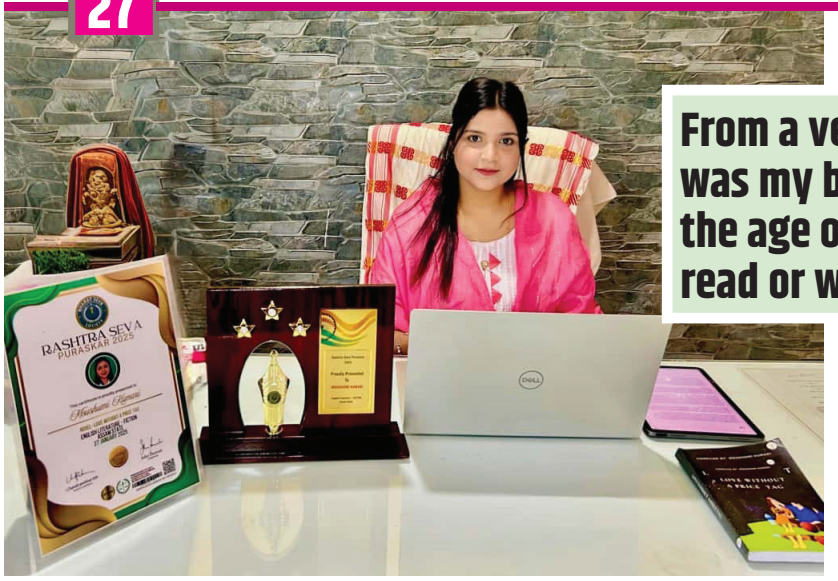

From a very young age, English was my biggest struggle. At the age of 13, I could barely read or write it fluently.

"WHEN THE EMOTION MEETS WRITING, LIFE BEGINS - DR. MOUSHUMI SINGH"

This is the story of a girl who turned hardships into strength and transformed challenges into achievements. My name is Moushumi Kumari, and I was born in a small village called Jaythar in Bihar but raised in Guwahati, Assam. Most of my childhood was spent in hostels, where I grew up as a good sports person, learning discipline, resilience, and determination

From a very young age, English was my biggest struggle. At the age of 13, I could barely read or write it fluently. My classmates mocked me, saying, "You are a Bihari, obviously you can't do English." Even my English teacher never gave me importance, and throughout school and high school, I was constantly underestimated. But deep inside, these experiences planted a fire in me—a determination to prove myself one day. In 2020, during the lockdown, life brought me to one of its lowest points. I struggled with anxiety and depression, but instead of giving up, I chose to pour my emotions into writing. That is when I wrote my first novel, Love Without a Price Tag. What began as a way to heal slowly turned into my strength. The novel was later published, and to my surprise, it brought me recognition and two prestigious awards: Rashtra Seva Puraskar 2025 and Icon of Success 2025.

The greatest milestone in my journey came in 2025, when I proudly completed my Honorary Doctorate in English Literature. For someone once told she could never master English, holding that doctorate became a symbol of resilience—proof that hard work and belief can silence every doubt and break every stereotype. Along with literature, I also pursued other academic qualifications. I completed a Diploma in Computer, a course in Forensic Psychology: Criminal Profiling, did an internship at IIT Guwahati, and earned a certification in Business Management from ICTRD. Looking back, my journey has been one of struggle, courage, and growth. From being a hostel girl once laughed at for her poor English to becoming an award-winning author and honorary doctorate holder, I have shown that determination can rewrite destiny. My vision now is to continue contributing to literature, inspire others through my journey, and keep learning every day.

TO KNOW MORE ABOUT
https://www.moushumisingh.com

Today, I am a certified medical doctor with two years of practice, serving a diverse community that includes tier-1 officers who trust me with their health. This shift was not an abandonment of my past, but an expansion of it. The analytical instincts honed as a hacker are now invaluable in my practice.

"Success is Never Accidental- it is built on passion, resilience, and the courage to begin again." – Dr. Rohit Singh

My name is Dr. Rohit Singh, and my professional life, rooted in my hometown of Ranchi, Jharkhand, has been a journey of deliberate reinvention. My career began in the world of code and logic, where I spent five years as an ethical hacker. In that digital landscape, I learned to see the world as a series of complex systems, probing for weaknesses to build stronger defenses and understanding how technology could both protect and endanger.

However, a persistent question about creating a more direct human impact led me to pivot from cybersecurity to clinical care. Today, I am a certified medical doctor with two years of practice, serving a diverse community that includes tier-1 officers who trust me with their health. This shift was not an abandonment of my past, but an expansion of it. The analytical instincts honed as a hacker are now invaluable in my practice. The ability to look beneath the surface, recognize subtle patterns, and anticipate risk helps me diagnose illnesses and understand the unspoken concerns of my patients. The same humility and persistence required to secure a network are now applied to finding the root of human suffering.

My pursuit of a holistic understanding of systems didn't stop there. A Doctorate in Business Administration (DBA) added a strategic dimension to my work, equipping me to think about not just individual health, but the health of entire communities and organizations. This unique blend of technology, medicine, and business strategy has culminated in my latest venture as an entrepreneur. I am the founder of Urban Builders, a real estate company with a mission that transcends mere construction. Our vision is to create living spaces that are a fusion of my expertise—to build secure, healthy, and technologically integrated communities. We aim to design environments that protect residents as fiercely as a physician cares for a patient.

My journey is driven by a simple but ambitious vision: to serve my community with integrity, whether through medicine or business. I strive to mentor young people who feel pulled in multiple directions, showing them that skills from one life can amplify their impact in another. Career paths are not prisons but canvases. If my story has a single message, it is that reinvention is a profound form of service. Whether through code, care, or construction, my goal remains the same: to make lives in Ranchi and beyond safer, healthier, and more hopeful.

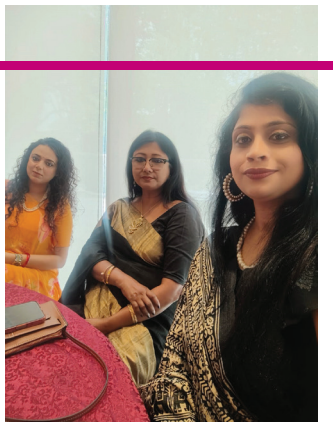

फैशन प्वाइंट द्वारा 49th फैशन एंड लाइफस्टाइल एग्जिबिशन का किया गया भव्य आयोजन

49th फैशन एंड लाइफस्टाइल एग्जिबिशन का आयोजन फैशन प्वाइंट द्वारा होटल रमाडा ,रांची में भव्य शुभारंभ किया गया। इस एग्जिबिशन की चीफ़ गेस्ट थी श्रीमती महुआ माझी, मेंबर ऑफ राज्य सभा, और गेस्ट ऑफ होनर श्रीमति मनीषा सिंह जो कि ऑल इंडिया क्षत्रिय महासभा , झारखंड की विमेन स्टेट प्रेसिडेंट हैं। इन दोनों के द्वारा ही फीता काट कर और दीप प्रज्वलित कर के प्रदर्शनी का शुभ आरंभ किया गया।इसके साथ ही अन्य कई गणमान्य लोग उपस्थित थे। सभी विशेष अतिथियों ने और आगंतुकों ने प्रदर्शनी में लगे स्टॉल्स का भ्रमण किया और कई सारे तरह के साड़ी, ज्वैलरी की खरीदारी किया।

हर स्टॉल्स पर काफी भीड़ देख गया। डिजाइनर्स सारी,ब्राइडल कलेक्शन, गरारा –सरारा,इंडो वेस्टर्न,वेस्टर्न आउटफिट, को लोगों ने खूब सराहा। विसके सॉलिटेयर्स एंड उषावि का एक्सक्लूसिव लब ग्राउन डायमंड ज्वैलरी कलेक्शन का आकर्षण का केंद्र रहा। साथ ही इंटरनेशनल ग्लैम एक्सेसरीज (सिंगापुर & दुबई)। की ज्वैलरी को आगंतुकों ने बेहद पसंद किया और इसे प्रीमियम इंटरनेशनल टच की संज्ञा दी। इस मौके पर फैशन प्वाइंट की चेयर पर्सन मिसेज रीना अग्रवाल ने कहा कि रांची का प्यार और उत्साह हमे हर बार कुछ नया करने और बेहतर करने की प्रेरणा देता है। इस प्रदर्शनी में हमने प्रेमीमम फेस्टिवल और वेडिंग शॉपिंग का ऐसा संगम प्रस्तुत किया हैं जो हर आगंतुक के लिए यादगार अनुभव बनेगा। इसी अवसर पर लायंस क्लब रांची समर्पण ने फैशन प्वाइंट के सहयोग से भव्य रूप से टीचर्स डे का आयोजन किया। इस अवसर पर कई गणमान्य अतिथियों एवं शिक्षकों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि रहीं — श्रीमती नेहा महतो, (पत्नी श्री सुदेश महतो, पूर्व उपमुख्यमंत्री झारखंड सरकार)। वे झारखंड हाईकोर्ट की प्रसिद्ध अधिवक्ता हैं तथा कई सामाजिक एवं महिला कल्याण कार्यों से जुड़ी हुई हैं। साथ ही, वे झारखंड आर्चरी एसोसिएशन की सीनियर वाइस प्रेसिडेंट एवं राँची जिला आर्चरी एसोसिएशन की प्रेसिडेंट हैं।

विसके सॉलिटेयर्स एंड उषावि का एक्सक्लूसिव लब ग्राउन डायमंड ज्वैलरी कलेक्शन का आकर्षण का केंद्र रहा। साथ ही इंटरनेशनल ग्लैम एक्सेसरीज (सिंगापुर & दुबई)। की ज्वैलरी को आगंतुकों ने बेहद पसंद किया और इसे प्रीमियम इंटरनेशनल टच की संज्ञा दी...

इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे : * Ln माधव लाहोटी जी, वरिष्ठ GST कोऑर्डिनेटर, * Ln राजेश कसरा जी, GST कोऑर्डिनेटर

इसके अलावा शिक्षा और समाजसेवा के क्षेत्र से जुड़े कई प्रतिष्ठित अतिथियों ने भी समारोह की शोभा बढ़ाई, जिनमें शामिल हैं —
* डॉ. डेज़ी सिन्हा – HoD, फैशन डिज़ाइनिंग विभाग, मारवाड़ी कॉलेज
* श्री पारस अग्रवाल – IITian एवं Founder, Brother's Academy
* सुश्री रत्ना सिंह – असिस्टेंट प्रोफेसर, फैशन डिज़ाइनिंग, महिला कॉलेज राँची
* डॉ. कस्तूरी सहाय – Former Additional Director, Amity University
* इंजीनियर राजेश कुमार अग्रवाल – गणित विशेषज्ञ (IIT-JEE & Olympiads)
* सुश्री काजल ठाकुर – प्रतिष्ठित फैशन डिज़ाइनर, Skill India
* श्री विकास भारती – शिक्षा एवं समाज upliftment में योगदान
* सुश्री प्रीति केजरीवाल – शिक्षिका, शारदा ग्लोबल स्कूल
* डॉ. शमामा अनवर – असिस्टेंट प्रोफेसर, BIT Mesra

कार्यक्रम के दौरान सभी शिक्षकों का शॉल ओढ़ाकर सम्मान किया गया। उपस्थित दर्शकों ने शिक्षकों के मार्गदर्शन और योगदान को हृदय से सराहा। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि शिक्षक समाज की नींव हैं, जो ज्ञान और मूल्यों से आने वाली पीढ़ियों को सशक्त बनाते हैं। यह दिन भारत के दूसरे राष्ट्रपति एवं महान दार्शनिक डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती है। उन्होंने स्वयं सुझाव दिया था कि उनके जन्मदिन को "शिक्षक दिवस" के रूप में मनाया जाए, ताकि सभी शिक्षकों को सम्मान मिल सके। इस दिन हम समाज में शिक्षा और मूल्यों को बढ़ावा देने वाले शिक्षकों के योगदान का आभार व्यक्त करते हैं।

नि:शुल्क कपड़ा बैंक से दस लाख से अधिक नागरिकों को मदद करके झारखंड के आईकॉन बन चुके हैं !

झारखंड के शान तिरंगा वाले शौकत भाई जान हर घर तिरंगा के तहत तीन लाख नागरिकों को तिरंगा भेटकर और निःशुल्क कपड़ा बैंक से दस लाख से अधिक नागरिकों को मदद करके झारखंड के आईकॉन बन चुके हैं ! जिसके लिए तिरंगा वाले शौकत ख़ान को झारखंड के महामहिम राज्यपाल संतोष गंगवार जी ने आइकॉन ऑफ़ झारखंड सम्मान 2024 से सम्मानित कर चुके हैं। इसके साथ साथ कई फिल्मी हस्तियों ने शौकत ख़ान को सम्मानित कर चुके हैं जिसमें से ख़ास है जया प्रदा जी, भुमिका चावल जी, आंचल मुंजाल जी। और शौकत ख़ान गढ़वा के कई सरकारी विभागों के ब्रांड एंबेसडर पद पर भी रहकर निस्वार्थ सेवा दे चुके हैं।

बताते चलें कि गढ़वा शहर के प्रतिष्ठित व्यवसाय में से एक शौकत खान बचपन से ही सरल और शांत स्वभाव के साधारण सा जीवन जिने वाले व्यक्ति रहे हैं इन्हें ना महंगी गाड़ियों का सौंख है और ना ही ये ठाठ-बाट में रहते हैं यही कारण है कि शौकत खान ने आम जानों के बिच रहकर लोगों कि दुःख दर्द को समझा और लोगों कि मदद कर मसीहा बन चुके हैं! शौकत खान गरीबों को प्रतिदिन राहत पुहुचाने के लिए और गरीबी-अमीरी का भेदभाव मिटाने के लिए शौकत ने 15 नवंबर 2015 को गरीबों के लिए निशुल्क कपड़ा बैंक का भव्य शुभारंभ गढ़वा के कचहरी रोड़ में किया जो शायद भारत का पहला निशुल्क कपड़ा बैंक था शौकत खान कि इस अनोखे सोच को लोग सराहना करने लगे वहीं गरीब असहाय जरुरतमंद लोगों की प्रतिदिन सैकड़ों में भीड़ लगने लगी शौकत ने जरुरतमंदो कि भीड़ देखकर घबराए नहीं बल्कि उनके चेहरे पर खुशियों कि चमक झलकने लगी और शौकत खान ने कहा कि आज मेरा सपना साकार होते दिखने लगा है क्योंकि सैकड़ों लोगों कि चेहरे पर मुस्कान ले आया है हमारा कपड़ा बैंक और अब गरीब लोग भी अच्छे अच्छे कपड़े पहनकर अपने आप को गौरवान्वित महसूस करने लगे हैं! जब भीड़ सैकड़ों से बढ़कर हजारों में होने लगी तो आई कपड़ों कि संकट तो शौकत खान निकल चुके हर स्कूल कॉलेज और आम नागरिकों के बिच और करने लगे उनसे आग्रह कि आपके घरों में अगर बेकार कि कपड़े पड़े हुए हैं तो ऐसे कपड़ों को हमारे कपड़ा बैंक में डोनेट करें जहां से गरीबों को सहयोग किया जा सके देखते देखते लोग शौकत खान के मुहिम में जुड़ने लगे और कपड़ा आना शुरू हो गया और जरुरतमंद लोगों कि भीड़ भी लगातार उमड़ती रही और आज गरीबों के मसीहा बनें शौकत खान दस लाख से अधिक गरीबों को मदद कर देश भर के लिए आइकॉन बन चुके हैं! और इनका कपड़ा बैंक देखने और कपड़ा बैंक डोनेट करने देश और विदेश से भी लोग आ चुके हैं और अब तक हजारों लोगों ने शौकत के कपड़ा बैंक में अपना जन्मदिन और शादी कि वर्षगांठ समेत अपने परिजनों का पुन्यतिथि मना चुके हैं!

अपने इस ऐतिहासिक सेवा कार्यों से उत्साहित होकर शौकत खान ने निशुल्क सत्तू बैंक कि शुभारंभ किया और अब तक तीन लाख से अधिक राहगीरों को सत्तू का जूस पिलाकर मानवता कि मिसाल पेश किये। फिर शौकत खान ने गरीबों कि आग्रह पर निशुल्क चावल बैंक कि शुभारंभ किया यहां से कोई भी जरुरतमंद लोग दो किलो चावल प्रतिदिन ले जा सकते हैं और देखते देखते यहां भी भीड़ लगने लगी और अब तक दो लाख से अधिक गरीब असहाय जरुरतमंद लोगों को शौकत खान चावल देकर हजारों गरीब परिवार के लिए वरदान बन चुके हैं! इसके बाद शौकत खान कि निस्वार्थ सेवा कार्यों से गरीबों में उम्मीद कि किरण जगी फिर गरीबों कि बच्चों को और उनके माता-पिता को दर्द को समझते हुए शिक्षा जगत में शौकत ने अपना कदम बढ़ाया और इन्होंने ने गरीब बच्चों के लिए निशुल्क पुस्तक बैंक कि शुभारंभ किया जहां से ग़रीब बच्चों को निशुल्क पठन पाठन सामग्री के लिए स्कूल बैंग जुता मोज़ा गर्म कपड़े कलर पैन्सिल पेन कॉपी समेत हर जरुरत कि चिजे उपलब्ध कराने लगे और अब तक एक लाख से अधिक गरीब बच्चों को शिक्षा से जोड़कर अनोखे अंदाज में शिक्षा का दीप जला चुके हैं और उत्साहित होकर शौकत खान कहते हैं पढ़ेगा गढ़वा बढ़ेगा झारखंड।

इतना ही नहीं हर घर तिरंगा का अलख जगाने वाले पहले भारतीय हैं शौकत खान जिन्होंने दस वर्ष पूर्व अपने भारतीय सेना के सम्मान में झारखंड पुलिस के सम्मान में और शहीदों के सम्मान में लगातार दस वर्षों से 15 अगस्त 26 जनवरी ईद और दिपावली के मौके पर अपने ऐतिहासिक कार्यक्रम राष्ट्रीय तिरंगा सम्मान समारोह के तहत हर कालेज स्कूल मंदिर मस्जिद चर्च गुरुद्वारा समेत सरकार गैर-सरकारी कार्यालय एवम् पुरे गढ़वा जिले के दुकानदार बंधुओं के बिच जाकर उन्हें सम्मान के साथ निशुल्क तिरंगा भेटकर उनसे आग्रह करते हैं कि आप अपने शहीदों के सम्मान में एक तिरंगा अपने घर ऑफिस कि उच्चाइयों पर जरुर लगायें और देखते देखते अब तक तीन लाख से अधिक नागरिकों को राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा भेटकर शौकत खान से तिरंगा वाले शौकत भाई जान बन गये।

इनके सभी अनोखे सेवा कार्य से प्रभावित होकर जिला प्रशासन गढ़वा ने शौकत खान को स्वच्छ भारत मिशन का ब्रांड एंबेसडर बनाया फिर स्वास्थ्य विभाग गढ़वा में एम आर वैक्सीन के लिए भी ब्रांड एंबेसडर बनाये गये फिर इन्हें सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान का सदस्य बनाया गया और सभी पदों पर उल्लेखनीय और उत्कृष्ट योगदान शौकत खान ने दिया जिसके लिए शौकत खान को देश भर से अबतक दो सौ सम्मान और अवार्ड प्राप्त हो चुके हैं जिसमें अंतराष्ट्रीय अवार्ड, राष्ट्रीय अवार्ड, राज्य स्तरीय अवार्ड, समेत झारखंड आइकॉन अवार्ड, झारखंड रत्न अवार्ड, झारखंड गौरव सेवा सम्मान समेत दस बार से अधिक जिला प्रशासन पुलिस प्रशासन सीआरपीएफ 172 बटालियन गढ़वा के द्वारा और 50 से अधिक कोरोना योद्धा अवार्ड से भी नवाजें जा चुके हैं और समाज सेवी शौकत खान और सबसे खास विशेषता ये है कि शौकत खान का कोई एनजीओ नहीं है कोई राजनीतिक दल से सम्बंध नहीं है और ना ही किसी से चंदा लेते हैं ये अपने बिजनेस से जो कमाते हैं उसी में से बचाकर गरीबों के लिए अनेक निशुल्क बैंक प्रतिदिन चलाते हैं वो भी झारखंड के शौर्य चक्र विजेता शहीद आशीष कुमार तिवारी के सम्मान में। इन सभी सेवा कार्यों में शौकत खान के पुत्र साजिद खान शौकत खान कि पत्नी और बेटियां भी पिता को सहयोग प्रदान करती है और शौकत खान कि पत्नी रुबी खान ने मक्का मदीना में तिरंगा लहराने वाली भारत कि पहली महिला बन चुकी है

पीएम जी के बातों से प्रेरित सफल गृह लघु उद्योग से घर घर पहचान बनाने वाली निशा झा

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के बातों से प्रेरित आपदा को अवसर मे बदलना का सही मायने में कार्य किया है, दरभंगा जिले की रहने वाली और रांची शहर में अपने बल पर खुद की पहचान बनाने वाली सफल गृह लघु उद्योग से घर घर पहचान बनाने वाली निशा झा।

कोविड के समय आर्थिक स्थिति खराब होने के कारण निशा झा ने मिथिलानि गृह उद्योग की स्थापना की 14 जुलाई 2020 को मसाला के साथ सुरुआत चुटिया मे की मसाला का रिस्पांस अच्छी होने लगी तो फिर धीरे धीरे और महिला को सामिल करके बड़ी, ठेकुआ, पीरूकिया, निमकी, अचार बनाने लगी राँची मे होम डिलीवरी फ्री करके आज राँची मे लगभग 150 परिवार है जो महीने का सामान प्रत्येक महिना मंगाते है राँची से बाहर भी ग्राहक है जो कोरियर चार्ज देकर मंगाते है, बस एकही प्रयास है की लोगों तक शुद्ध सामान पहुँचे, इसमें हमे समाज के हरेक वर्ग का सहयोग मिल रहा है फिर मुझे उद्योग विभाग से PMFME लोन भी मिला मै अपने साथ 4 से 5 महिला को रोजगार दी हूँ। इस काम मे मुझे सभी का सहयोग हमेसा मिलता है शुद्धता ही मेरी पेहचान है। इस बार तीज मे मैं 150 किलो पीरूकिया आ ठेकुआ बेचे है। मै खासकर प्रधानमंत्री जी का आभार व्यक्त करती हूँ कि उनके बातों से मुझे प्रेरणा मिली। मेरे यहाँ सिर्फ धुप मे ही सभी कुछ सुखाती हूँ, ड्रायर का प्रयोग नही करती हूँ

कोविड के समय आर्थिक स्थिति खराब होने के कारण निशा झा ने मिथिलानि गृह उद्योग की स्थापना की 14 जुलाई 2020 को मसाला के साथ सुरुआत चुटिया मे की मसाला का रिस्पांस अच्छी होने लगी तो फिर धीरे धीरे और महिला को सामिल करके बड़ी, ठेकुआ, पीरूकिया, निमकी, अचार बनाने लगी राँची मे होम डिलीवरी फ्री करके आज राँची मे लगभग 150 परिवार है जो महीने का सामान प्रत्येक महिना मंगाते है राँची से बाहर भी ग्राहक है जो कोरियर चार्ज देकर मंगाते है,

इस काम मे मुझे सभी का सहयोग हमेसा मिलता है। शुद्धता ही मेरी पेहचान है। इस बार तीज मे मैं 150 किलो पीरूकिया आ ठेकुआ बेचे है।

भगवा नारी सेना के द्वारा डांडिया ड्रिज्जल प्रोग्राम हुआ धूमधाम से संपन्न

भगवा नारी सेना के द्वारा कचहरी रोड स्थित द रॉयल बैंक्विट हॉल में डांडिया ड्रिज्जल प्रोग्राम धूमधाम से संपन्न हुआ जिसकी अध्यक्षता संस्थापक अध्यक्ष पिया बर्मन ने किया इस मौके पर डीजे की धुन पर हजारों महिलाओं ने डांडिया नित्य के गरबा नृत्य मां दुर्गा का स्वरूप में नित्यागन महिलाओं ने मस्ती की कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्राजूलन एवं श्री गणेश वंदना से हुई इस मौके पर मुख्य अतिथि कांके विधायक माननीय सुरेश बैठा एवं विशिष्ट अतिथि डॉक्टर कुमार राजा, तनुश्री सरकार, रांची प्रेस क्लब के उपाध्यक्ष धर्मेंद्र गिरी, मनोज मिश्रा, प्रोफेसर रतन जी, प्रोफेसर हर्षित जी, छात्र क्लब के ग्रुप के राष्ट्रीय अध्यक्ष किशोर शर्मा, शुभम चौधरी, नमिता देवी, प्रभात कुमार राजन, गिरजा शंकर, पेरीवाल, ममता वर्मा, बॉलीवुड अभिनेत्री काजल सिंह भोजपुरी एक्ट्रेस गुलशन कुमारी भोजपुरी गायक आशुतोष द्विवेदी वेन्यू पार्टनर समीर जी आदि मौजूद थे कार्यक्रम को सफल बनाने में मुख्य रूप से मेक माय इवेंट पुष्कर श्रीवास्तव और अवतार जी की टीम ने किया

कुमार गहलोत एवं कविता हॉरर की जोड़ी मनमोहन गाना की प्रस्तुति दी सेवा के संरक्षक रवि मेहता, मधुलिका पाठक, संयोजक नीलम शर्मा, विनीता कुमारी, गायत्री कुमारी, परमजीत कौर, प्रिया सिंहा, अपराजिता जी, सन साइन, शिला साहू, सोनल मिश्रा ,शिखा शर्मा, अभिषेक दुबे, आनंद कुमार, आदि ने महत्वपूर्ण रूप से भूमिका निभाई कार्यक्रम का संचालन क्षितिज मिश्रा ने किया।

पी.पी.कंपाउंड रांची स्थित गुरु नानक स्कूल के सभागार में हर्षोंउल्लास के साथ मनाया गया

संगीत सरिता एवं हार्मोनी इवेंट एंड स्कूल ऑफ म्यूजिक के संयुक्त तत्वावधान में स्कूल के संस्थापक, आस्था चैनल,टी.सीरीज गायिका एवं छात्र क्लब कला संस्कृति एवं खेलकूद मंच के वरीय संरक्षक, समाजसेवी वीणाश्री के निर्देशन में विश्व में संगीत के क्षेत्र में भारत देश का नाम रौशन करने वाली, स्वर कोकिला प्रसिद्ध गायिका लता मंगेशकर जी का जन्मदिन उत्सव आज पी.पी.कंपाउंड रांची स्थित गुरु नानक स्कूल के सभागार में हर्षोंउल्लास के साथ मनाया गया।

इस मौके पर मुख्य अतिथि के तौर पर अल्पसंख्यक आयोग राज्य आयोग (झारखंड मैन्यूरिटीज कमीशन) झारखंड सरकार के उपाध्यक्ष ज्योति सिंह मथारू एवं विशिष्ट अतिथि के तौर पर राज्य सभा सांसद महुआ मांझी,पूर्व उप महापौर संजीव विजयवर्गीय,झामुमो महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य,मानव अधिकार मिशन झारखंड प्रदेश अध्यक्ष अधिवक्ता पी.के. लाला,लायंस क्लब ऑफ रांची हरिकनक ने के प्रशासक लायन प्रेमशंकर मिश्रा,अध्यक्ष लायन अमित मिश्रा,जेपीएससी के अजिता भट्टाचार्य,सी.डब्लू.सी.के तनुश्री, आई.पी.जी.सी. के राशिब हुसैन, सौरभ प्रसाद,विज़न आरोग्यं के निदेशक राजीव रंजन मिश्रा, छात्र क्लब ग्रुप के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव किशोर शर्मा,संरक्षक विजय पाठक,शुभम चौधरी, लीगल एडवाइजर अधिवक्ता सोनाली भट्टाचार्य,डॉक्टर अनिल कुमार राम,गुरु नानक स्कूल के सचिव परमजीत सिंह, राष्ट्रीय मुख्यधारा के राजेश जी,आईफा के साबिर हुसैन,उम्मीद चैरिटेबल ट्रस्ट के निर्देशक अरशद उबेद जी,समाजसेवी मेहुल प्रसाद,अस्मित सेठी,सीमा राय,साधना कुमार झा,डॉ.पंपा सेन विश्वाश,बंदना उपाध्याय सतीश जी,नंदकिशोर सिंह चंदेल,आजाद सिपाही के निदेशक राहुल सिंह,आई.पी. जी.सी.सौरव प्रसाद,क्षत्रिय समाज के अध्यक्ष मनीषा सिंह,उपाध्यक्ष रीना सिंह,सचिव श्रीतू सिंह,सुमन सिंह,प्ले स्कूल की निदेशक आराधना झा,रोमी सेठी,संगीता सिंहा,भावना प्रिया,तरंग मित्तल, अमृता जी,ममता सिंह,अनुपमा झा,डॉक्टर पंपा सेन विश्वाश, झिलिक सरकार

आदि मौजुद थे। कार्यक्रम का शुभारंभ हारमोनी स्कूल के बच्चों द्वारा श्री गणेश नृत्य वंदना,राष्ट्रीय गान,लता जी को जन्मदिन की बधाई गीत से हुई। झारखंड के मशहूर सिंगर,राग रंग की प्रीति सिन्हा, वीणा श्री, अवंतिका मोनिकां, अंजलि गोस्वामी,आकाश,आलोक,देवांशू घोष,स्वाति,रितु, उपासना,सुजाता,गुरविंदर, संजीव,परागभूषण,तनवीर मोहम्मद मतीन,जमाल खान,सुहैल खान,रिजवान खान,कुमार गहलोत,परवेज आलम,कविता होरो,गुलजार खान,तबरेज खान, पराग भूषण सीमा प्रीति,नवनीत पाण्डेय आशी,माधवी,शिवांगी,इस्लाम गाड़ी,शकील खान,नैतिक झा, आरव सिंगल,शौर्य सिंगल, अहाना स्तुति,पूर्वी सिंह, सुहाना, रौशनी कुमारी,पार्थी डालाणिया, आदित्य राय,सिल्विया रॉय, आयांश अग्रवाल,दक्ष विदित, टीटू माही,आराध्या सिंह, सुरजीत सिंह,मोनिका,शुभांगी, माधवी,ऋतु रानी,रचना रॉय, सोमा चटर्जी,विभा,परमजीत कौर,साहिबा ग्रौभर,गुरविंदर कौर,संजीव कुमार,इस्लाम गद्दी, शकील खान आदि ने एक से बढ़कर एक संगीत पेश किए।

अजीब दासता है ये,
लग जा गले,
मैं तेरी इश्क मे,
*सत्यम शिवम् सुंदरम,
वह जब याद आए बहुत याद आए ,

आदि संगीत मे श्रोताएं खूब झुमते रहे। हार्मोनी इवेंट एंड स्कूल के म्यूजिक,रांची म्यूजिकल ग्रुप,सुर संगम,मेरी आवाज मेरी पहचान,किशोर कुमार फैन, संगीत सरिता के कलाकारों ने भी लता जी के जन्मदिन पर आधारित संगीत प्रस्तुत किए। कार्यक्रम को सफल बनाने में मुख्यरूप से मां सुभद्रा ग्रुप के संचालक प्रभात राजन,नीतू सिंह,रवि मेहता,परमजीत कौर,सुलोचना शहदेव, मधुलिका, उपासना सुजाता,गिरिजा शंकर पेड्रीवल, नीरज सिन्हा, गुरनाम सिंह,शाहील सिद्दीकी आदि ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम समाप्ति के पूर्व झारखंड सरकार के पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन,शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन एवं आजाद सिपाही के प्रधान संपादक हरि नारायण सिंह जी को याद किया गया और उनके लिए 2 मिनट का मौन रखा गया।

https://storylineindia.com/

https://www.facebook.com/share/1EKzfY8YMd/

https://youtu.be/azR4lrhdfA0?si=khCI8PZWy-KIy_xG

https://www.instagram.com/thestorylineindia?igsh=am4xYXR6a3QxYXFx

Fcebook : thestorylineindia

Instagram: thestorylineindia

YouTube: thestorylineindia

Web: www.storylineindia.com